mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-177 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
29 जून 2025 रविवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

रोहित शर्मा ने किया...
@ पेज 7

केरल में भारी बारिश, आईएमडी ने पांच जिलों में 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में मानसून की बारिश जारी रहने के कारण राज्य में हाई अलर्ट जारी है, क्योंकि नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है और बांधों के शटर खोले जा रहे हैं। भारतीय मौसम विभाग ने राज्य के लिए अपने पूर्वानुमान में संशोधन किया है, जिसके तहत आज वायनाड और इडुक्की जिलों में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। आईएमडी ने राज्य के पथानामथिट्टा, कोट्टायम, इडुक्की, मलप्पुरम और वायनाड जिलों में शनिवार के लिए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया। 'ऑरेंज' अलर्ट का मतलब है 11 सेंटीमीटर (सेमी) से 20 सेमी तक की भारी बारिश होता है। पिछले कुछ दिनों में राज्य में हुई बारिश के कारण विभिन्न नदियों का जलस्तर बढ़ गया है, जिससे कई निचले इलाकों में बाढ़ आ गई और सैकड़ों लोग विस्थापित हुए हैं। पिछले कुछ दिनों में वायनाड जिले के बाणासुर सागर और पथानामथिट्टा जिले के मूझियार जैसे कुछ बांधों के फाटक खोल दिये गए हैं। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, त्रिशूर जिले में पीची बांध के फाटक शनिवार दोपहर को खोले जाने की उम्मीद है। जिला प्रशासन ने बताया कि जलग्रहण क्षेत्रों में बारिश के कारण जल स्तर बढ़ने के बाद पलक्कड़ में कंजिरापुझा, मालमपुझा और मीनकारा सहित विभिन्न बांधों के फाटक शनिवार को खोल दिए गए।

मणिपुर में लोकप्रिय सरकार बनाने के प्रयास जारी

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने शनिवार को कहा कि राज्य में एक लोकप्रिय सरकार स्थापित करने के प्रयास चल रहे हैं, जो अभी राष्ट्रपति शासन के अधीन है। भाजपा के राज्य मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम से इतर बोलते हुए सिंह ने उम्मीद जताई कि मणिपुर में जल्द ही नई सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि हम जल्द से जल्द सरकार बनाने के लिए काम कर रहे हैं। हम एक राष्ट्रीय पार्टी हैं। जमीनी हालात को देखने के बाद मुझे विश्वास है कि जल्द ही सरकार बनेगी। भाजपा और उसके सहयोगी दल भी लोकप्रिय सरकार चाहते हैं। हम जनप्रियता की बहाली के लिए काम कर रहे हैं। बिरेन सिंह ने कहा कि हम सिर्फ़ मौजूदा संकट पर ध्यान दे रहे हैं। हम सौहार्दपूर्ण समाधान खोजने और मणिपुर राज्य में शांति लाने के लिए केंद्र सरकार और संबंधित व्यक्तियों से संपर्क कर रहे हैं। हम मणिपुर राज्य में सरकार बनाने के लिए भाजपा और एनडीए विधायकों से भी मिल रहे हैं। अब शांति बहाल हो रही है और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र सरकार शांति लाने के लिए दिन-रात काम कर रही है। पूर्व सीएम ने कहा, हमने, भाजपा ने, किसी की आलोचना नहीं की है। हम केवल मौजूदा संकट पर ध्यान केंद्रित कर रहे

हैं। हम राज्य में सौहार्दपूर्ण समाधान और शांति लाने के लिए केंद्र सरकार और संबंधित व्यक्तियों से संपर्क कर रहे हैं। इस बीच, हम विधायकों की लगातार बैठकों के साथ एक लोकप्रिय सरकार को बहाल करने के लिए भी काम कर रहे हैं। हर कोई शांति बहाली चाहता है। शांति अनिवार्य है। पिछले सात या आठ महीनों में समुदायों के बीच लड़ाई की कोई खबर नहीं आई है। सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार राज्य में शांति बहाल करने के लिए दिन-रात प्रयास कर रही है। मीडिया के एक सवाल के जवाब में सिंह ने कहा, मैंने पहले भी कहा है कि अवैध अप्रवासियों और ड्रग कार्टेल ने पूरे उत्तर पूर्व के साथ-साथ पूरे देश को प्रभावित किया है। धीरे-धीरे, हर कोई इस मुद्दे को समझने लगा है।

एअर इंडिया ने 4 कर्मचारियों से इस्तीफा मांगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया ने अपने ग्राउंड हैंडलिंग वेंचर एआईएसएटीएस के 4 कर्मचारियों को इस्तीफा देने के लिए कहा है। ये कार्रवाई इनकी एक पार्टी का वीडियो वायरल होने के बाद की गई। इन कर्मचारियों ने अहमदाबाद प्लेन हादसे के 8 दिन बाद यह पार्टी की थी। एअर इंडिया ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, अहमदाबाद प्लेन हादसे की दुखद घटना से प्रभावित परिवारों के साथ हम पूरी संवेदना के साथ खड़े हैं। वायरल वीडियो में कर्मचारियों का व्यवहार है, वह हमारी कंपनी की पॉलिसी के खिलाफ है। हमने जिम्मेदार लोगों पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दावा किया जा रहा है कि एअर इंडिया के स्टाफ ने 20 जून एआईएसएटीएस के गुरुग्राम ऑफिस में पार्टी की थी। ये खबर वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने इन कर्मचारियों को निंदा की। कहा कि एयर इंडिया के प्लेन क्रैश के बाद कोई कैसे जश्न मना सकता है। यूजर एअर इंडिया की संवेदनशीलता पर सवाल उठा रहे थे। इस दौरान एयरलाइन को भी ट्रोल किया गया। अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 टेकऑफ के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें 241 यात्री और क्रू मेंबर शामिल थे। एक यात्री इस हादसे में जिंदा बचा है।

कोलकाता गैंगरेप केस- मेडिकल जांच में दुष्कर्म की पुष्टि

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के लॉ कालेज में गैंगरेप की पीड़ित छात्रा की मेडिकल रिपोर्ट में रेप की पुष्टि हो गई है। मेडिकल जांच कलकत्ता नेशनल मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में की गई थी। कस्बा पुलिस के अधिकारी के मुताबिक पीड़ित के साथ जबरदस्ती करने, शरीर पर काटने और नाखून से खरोंचने के निशान मिले हैं। उससे मारपीट की भी पुष्टि हुई है। गैंगरेप केस के तीनों आरोपियों को कोर्ट ने शुक्रवार को 1 जुलाई तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। पुलिस ने 26 जून को 2 आरोपियों और तीसरे आरोपी को शुक्रवार सुबह गिरफ्तार किया था। वहीं लॉ कॉलेज के गार्ड पिनाकी बनर्जी (55) को भी शनिवार को अरेस्ट कर लिया गया। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने घटना को लेकर विवादित बयान दिया। बनर्जी ने कहा- अगर कोई दोस्त अपने दोस्त के साथ बलात्कार करता है तो क्या किया जा सकता है। घटना 25 जून को हुई थी, वारदात कॉलेज के ग्राउंड फ्लोर के गार्ड रूम में हुई थी। आरोपियों में मनोजीत मिश्रा (31), जैब अहमद (19) और प्रमित मुखर्जी (20) शामिल हैं। मनोजीत मुख्य आरोपी है और कॉलेज का पूर्व छात्र है। जबकि जैब और प्रमित कॉलेज के छात्र हैं।

राजा हत्याकांड- शिलॉन्ग पुलिस को फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार

इंदौर (एजेंसी)। राजा रघुवंशी हत्याकांड को लेकर अब शिलॉन्ग पुलिस की जांच फोरेंसिक रिपोर्ट पर टिकी हुई है। पुलिस का मानना है कि भले ही आरोपियों को सजा दिलाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। फिर भी विशाल की खून से सनी शर्ट, सोनम की रेनकोट और हत्या में इस्तेमाल किए हथियार (डाउ) पर लगे ब्लड की जांच रिपोर्ट सुनवाई के दौरान अहम साबित होगी। वहीं, इंदौर से बुधवार को शिलॉन्ग पुलिस कॉन्ट्रैक्टर शिलोम जेम्स, चौकीदार बलवीर अहिरवार और बिल्डिंग मालिक लोकेंद्र तोमर को अपने साथ ले गई है। वहां कोर्ट ने तीनों को 6 दिन की रिमांड पर भेज दिया है। उनसे कई बिंदुओं पर पूछताछ होगी।

प्रधानंत्री ने डाक टिकट, सिक्के जारी किए, कहा- आचार्य विद्यानंद का जीवन त्याग की मिसाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी शनिवार को जैन मुनि आचार्य विद्यानंद महाराज के जन्म शताब्दी समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने आचार्य विद्यानंद का डाक टिकट और सिक्का जारी किया। इस कार्यक्रम का आयोजन भगवान महावीर अहिंसा भारती ट्रस्ट की ओर से किया गया। ट्रस्ट ने पीएम को धर्म चक्रवर्ती की उपाधि से सम्मानित किया। इस मौके पर मोदी ने कहा, मैं खुद को इस उपाधि के योग्य नहीं मानता, लेकिन हमारी संस्कृति में यह परंपरा है कि संतों से जो भी मिलता है, हम उसे प्रसाद मानकर स्वीकार करते हैं। इस वजह से मैं इस सम्मान को प्रसाद रूप में विनम्रता से स्वीकार करता हूं और इसे मां भारती को समर्पित करता हूं। आज का दिन इसलिए भी खास है क्योंकि 28 जून 1987 को आचार्य विद्यानंद मुनिराज को आचार्य की उपाधि दी गई थी। यह सिर्फ एक सम्मान नहीं था, बल्कि जैन संस्कृति को विचारों, संयम और करुणा से जोड़ने वाली एक पवित्र धारा भी थी। जब हम आज उनके जन्म के 100 साल मना रहे हैं, तो वह ऐतिहासिक पल फिर याद आता है। आचार्य विद्यानंद महाराज का जन्म शताब्दी समारोह पूरे साल भर चलेगा। इस दौरान जैन समाज की ओर से देशभर में जगह-जगह कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। पीएम ने भावुक होते हुए कहा कि आचार्य विद्यानंद जी मुनिराज एक युग पुरुष थे, युग दृष्टा थे। मुझे सौभाग्य मिला कि मैं उन्हें निकट से देख पाया और उनके आध्यात्मिक तेज को महसूस

कर सका। आज जब हम उनकी जन्म शताब्दी मना रहे हैं, तो मुझे इस मंच से भी उनका स्नेह और निकटता महसूस हो रही है। पीएम ने कहा- भारत दुनिया की सबसे प्राचीन और जीवित संस्कृति है। हम हजारों वर्षों से अमर हैं, क्योंकि हमारे विचार अमर हैं, हमारी सोच अमर है, हमारा दर्शन अमर है। इस अमर दर्शन का स्त्रोत हमारे ऋषि, मुनि, संत और आचार्य हैं। उन्होंने ही भारत की आत्मा को दिशा दी है और सदियों तक हमारी संस्कृति को जीवित रखा है। आचार्य विद्यानंद महाराज जैन धर्म के संत, विद्वान और समाज-सुधारक थे। उनका जन्म 22 अप्रैल 1925 को शेदबल गांव, बेलगावी (अब कर्नाटक) में हुआ था। बहुत कम उम्र में उन्होंने संन्यास ले लिया

जयपुर-आगरा हाईवे पर कैंटर में घुसी कार, 4 की मौत

दौसा (एजेंसी)। जयपुर-आगरा हाईवे पर खड़े कैंटर में पीछे से कार जा घुसी। इस हादसे में कार सवार मां, बेटा-बेटी सहित 4 लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना शुक्रवार की देर रात करीब सवा बारह बजे दौसा के कलेक्ट्रेट चौराहे के पास आरटीओ ऑफिस के सामने हुई। आरोप है कि आरटीओ टीम ने चेकिंग के कारण हाईवे किनारे कैंटर को रोका था, तभी हादसा हो गया। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद हरियाणा नंबर की कार को कैंटर से अलग किया जा सका। कार सवार बुरी तरह गाड़ी में फंस गए थे। काफी मशक्कत के बाद उन्हें निकाला जा सका।

सीजेआई बोले-अधिकारों की रक्षा के लिए अदालतों की सक्रियता जरूरी

नागपुर (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने शुक्रवार को कहा कि संविधान और नागरिकों के अधिकारों को बनाए रखने के लिए न्यायिक सक्रियता जरूरी है। यह बनी रहेगी, लेकिन इसे न्यायिक आतंकवाद में नहीं बदला जा सकता।

सीजेआई ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र के तीनों अंगों विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका को उनकी सीमाएं दी गई हैं। तीनों को कानून के अनुसार काम करना होगा। जब संसद कानून या

नियम से परे जाती है, तो न्यायपालिका हस्तक्षेप कर सकती है। सीजेआई गवई नागपुर जिला कोर्ट बार एसोसिएशन के कार्यक्रम में बोल रहे थे। यहां उन्होंने कुछ किस्से साझा किए। अपने माता-पिता के संघर्षों के बारे में बताया। अपने जीवन पर माता-पिता के प्रभाव के बारे में बात करते हुए भावुक हो गए।

सीजेआई ने कहा, मैं आर्किटेक्ट बनना चाहता था, लेकिन मेरे पिता ने मेरे लिए अलग सपने देखे थे। वह हमेशा चाहते थे कि मैं वकील बनूं, एक ऐसा सपना जो वह खुद पूरा नहीं कर सके। मेरे पिता ने खुद को अंबेडकर की सेवा में समर्पित कर दिया। वह खुद एक वकील बनना चाहते थे, लेकिन स्वतंत्रता आंदोलन का हिस्सा होने के कारण उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया

जम्मू-कश्मीर के दौरे पर संसदीय समिति

श्रीनगर (एजेंसी)। पब्लिक गवर्नेंस और लॉ-जस्टिस की संसदीय समिति शनिवार को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर है। कमेटी के मेंबर सुबह जम्मू से वैष्णो देवी धाम पहुंचे। इसके बाद वह पहलगाम का दौरा भी कर सकते हैं। कमेटी के चेयरमेन भाजपा सांसद और पूर्व पुलिस महानिदेशक बृजलाल ने बताया कि अब तक 6-7 सांसद जम्मू पहुंचे हैं और बाकी श्रीनगर में जुड़ेंगे। यह कमेटी जम्मू-कश्मीर में सरकारी कामकाज, लॉ एंड जस्टिस और लोगों को हो रही समस्या की समीक्षा करेगी।

उन्होंने बताया कि समिति दो दिन जम्मू में रहेगी, फिर श्रीनगर जाएगी। इस दौरान वह पहलगाम जाने की कोशिश भी करेंगे। इससे पहले बृजलाल उस डेलिगेशन का भी हिस्सा थे, जो पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर भारत का पक्ष रखने जापान-सिंगापुर गया था। केंद्र सरकार 7-8 जुलाई को पहलगाम में एक हाई लेवल मीटिंग भी करेगी, इसमें सभी राज्यों के पर्यटन सचिव शामिल होंगे। यह बैठक पर्यटन मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय की ओर से आयोजित की जाएगी। दौरे के दौरान समिति जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव अतुल डुल्लू और दूसरे वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा समिति माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के सीईओअंशुल गर्ग और अधिकारियों से भी मुलाकात करेगी। बृजलाल ने कहा कि वे मां वैष्णो देवी मंदिर जा रहे हैं, जहां सीईओ से मिलकर श्रद्धालुओं को मिलने वाली सुविधाओं और आने वाली परेशानियों पर चर्चा की जाएगी। इसके बाद समिति सीईओ पावर ग्रिड और अन्य दो सार्वजनिक उपक्रमों के साथ बैठक करेगी।

देश में पहली बार बिहार में मोबाइल ऐप से वोटिंग

बिहटा, पटना (एजेंसी)। बिहार देश का पहला राज्य बन गया है, जहां वोटर्स को मोबाइल ऐप के जरिए वोटिंग करने की अनुमति दी गई है। बिहार की छह परिषदों में नगरीय निकाय चुनावों के दौरान पायलट प्रोजेक?ट के तौर पर ई-वोटिंग शुरूआत की गई है। इस प्रोजेक?ट का उद्देश्य वोटिंग सेंटर्स तक पहुंचने में असमर्थ लोगों के लिए वोटिंग को सुलभ बनाना है। वोटिंग के लिए दो ऐप लॉन्च किए गए हैं। बिहार के 26 जिलों की 42 नगरपालिकाओं में नगर निकाय के लिए उपचुनाव हो रहा है। जो मतदाता बूथ पर नहीं पहुंचने में असमर्थ हैं उनके

लिए ई-वोटिंग की व्यवस्था की गई है।

यह सुविधा लेने के लिए पहले से रजिस्ट्रेशन कराना था। चुनाव आयोग के अनुसार स्थानीय निकाय में ई-वोटिंग के लिए 50 हजार से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया। सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक ई-वोटिंग हुई। दुबई, कतर जैसे देशों में रह रहे प्रवासी बिहारियों ने भी ऐप के जरिए वोटिंग की।

कांटा लगा फेम शेफाली जरीवाला का निधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। रीमेक सॉन्ग कांटा लगा गाने से मशहूर हुईं एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला का 42 साल की उम्र में निधन हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 27 जून की रात उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया, जिससे उनकी मौत हो गई। अब इस मामले में मुंबई पुलिस ने अपनी जांच शुरू कर दी है। शेफाली जरीवाला के घर पर फोरेंसिक टीम पहुंच चुकी है और सबूत जुटाए जा रहे हैं। वहीं, अंबोली पुलिस स्टेशन में घर की मेड और कुक से पूछताछ की गई है। परिजन के भी बयान लिए जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, शेफाली को बेहोशी की हालत में उनके पति और एक्टर पराग त्यागी, के साथ तीन अन्य लोग शुक्रवार रात मुंबई के अंधेरी स्थित बेलेव्यू अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल के रिसेप्शन स्टाफ ने पुष्टि की है कि शेफाली जरीवाला को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया था। उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए कूपर अस्पताल भेज दिया गया है, जहां उनके परिवार के लोग, करीबी दोस्त और फिटनेस ट्रेनर भी पहुंचे हैं।

भाजपा ने मांगा ममता बनर्जी का इस्तीफा, जेपी नड्डा ने बनाई चार सदस्यीय जांच समिति

बंगाल (एजेंसी)। कोलकता रेप केस मामले को लेकर सियासत तेज होती दिखाई दे रही है। भाजपा लगातार ममता बनर्जी की सरकार पर हमलावर है। वहीं, भाजपा ने अपराध स्थल का दौरा करने, जांच करने और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए चार सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है। समिति के सदस्य पूर्व केंद्रीय मंत्री सतपाल सिंह, मीनाक्षी लेखी और सांसद बिप्लब देब और मनन मिश्रा हैं। वहीं, दूसरी ओर भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि जिस राज्य में महिला मुख्यमंत्री हो, वहां महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता होनी चाहिए, लेकिन इतनी असंवेदनशीलता और क्रूरता क्यों है? पीड़िता ने खुद बयान जारी किया है। अगर इसे ध्यान से पढ़ें तो एक बात

साफ हो जाती है कि गैंगरेप का ये पूरा दुष्चक्र कहीं न कहीं राज्य प्रायोजित है। ये राजनीतिक दृष्टिकोण से प्रेरित एक क्रूर कृत्य है। मैं ऐसा क्यों कह रहा हूं? क्योंकि ये एक कॉलेज यूनियन से जुड़ा है, जिसका मुख्य आरोपी मनोज मिश्रा है। मनोज मिश्रा खुद टीएमसी की छात्र शाखा के सचिव रह चुके हैं। वो टीएमसी के सदस्य हैं।

जम्मू-कश्मीर को प्रमुख पर्यटन स्थल में बहाल करने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी-अब्दुल्ला

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को राज्य को देश के प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में बहाल करने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। अब्दुल्ला ने कहा, जम्मू-कश्मीर को देश के प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में बहाल करना और उसे कायम रखना सरकार और पर्यटन हितधारकों का सामूहिक कर्तव्य है मुख्यमंत्री यहां शेर-ए-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (एसकेआईसीसी) में उद्योग मंडल फिक्की और जम्मू-कश्मीर पर्यटन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'जम्मू-कश्मीर पर्यटन पुनरुद्धार वार्ता' को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा, यह हमारा दायित्व है कि हम अपनी शक्ति के अनुसार हरसंभव प्रयास करें ताकि जम्मू-कश्मीर देश में प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में अपनी स्थिति में वापस आ सके और वैसा ही बना रहे। अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार मुख्य रूप से समग्र पर्यटक अनुभव को बेहतर बनाने पर केंद्रित नई पहलों पर काम कर रही है।

पुरी में तीनों रथ गुंडिचा मंदिर पहुंचे

पुरी (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में सालाना जगन्नाथ यात्रा का शनिवार को दूसरा दिन है। आज सुबह 10 बजे फिर रथयात्रा शुरू हुई। भक्तों ने तीनों रथों को खींचना शुरू किया। सुबह 11.20 बजे भगवान बलभद्र का रथ तालध्वज और दोपहर 12.20 बजे देवी सुभद्रा का दर्पदलन रथ और इनके बाद भगवान जगन्नाथ का नंदीघोष रथ 1.11 बजे गुंडिचा मंदिर पहुंच गया है। मुख्य मंदिर से गुंडिचा मंदिर की दूरी 2.6 किमी दूर है। 8 लाख से ज्यादा श्रद्धालु होने की वजह से अभी दो से तीन घंटे और लग सकते हैं। गुंडिचा मंदिर में

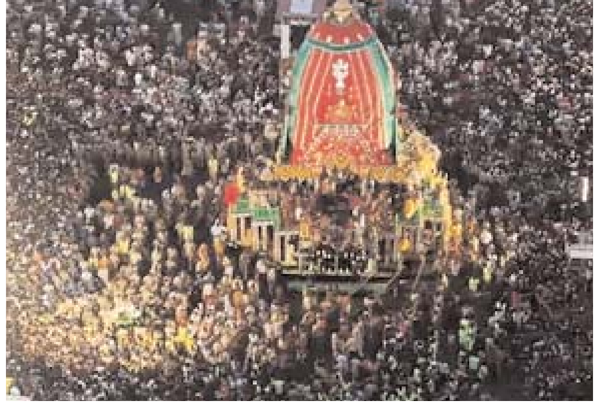

भगवान 9 दिन ठहरेंगे। पुरी में सुबह से हल्की बारिश हो रही है। इससे मौसम में अच्छा हो गया है। कल की अपेक्षा आज भीड़ 10-20 प्रतिशत कम है, लेकिन आज भी कई लोग बीमार हो गए। पिछले दिन में 650 से श्रद्धालुओं के तबीयत खराब होने की खबर है। शुक्रवार को रथ यात्रा में 10 लाख से ज्यादा लोग थे। देर शाम देवी सुभद्रा के रथ के आसपास भीड़ का दबाव बढ़ने से 625 से श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ गई। प्रशासन के मुताबिक, 70 अस्पताल में भर्ती किया गया। इनमें से 9 की हालत गंभीर है।

लोकसभा अध्यक्ष तीन जुलाई को मानेसर में शहरी स्थानीय निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तीन जुलाई को गुरुग्राम के मानेसर स्थित 'इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी' (आईसीएटी) में 'संवैधानिक लोकतंत्र और राष्ट्र निर्माण में शहरी स्थानीय निकायों की भूमिका' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया है कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के शहरी

स्थानीय निकायों के प्रमुख सम्मेलन में भाग लेंगे। हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंदर कल्याण और लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह भी सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

प्रदेश की विमानन नीति वैल्यू चेन आधारित-उप सचिव डॉ. बुंदेला

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय उड्डयन मंत्री श्री किंजरापु राम मोहन नायडू की अध्यक्षता में पुणे (महाराष्ट्र) में 'हेलीकॉप्टर्स एवं स्माल एयरक्राफ्ट्स समिट' हुई। मध्यप्रदेश इस समिट का स्टेट स्पॉन्सर रहा। समिट में नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री श्री मुरलीधर मोहोल, श्री असंगबा चुबा एओ, संयुक्त सचिव, नागरिक उड्डयन मंत्रालय, भारत सरकारएवं श्री फैज़ अहमद किदवई, महानिदेशक, डीजीसीए भी उपस्थित थे। समिट में 20 राज्य शामिल हुए। 'हेलीकॉप्टर्स एवं स्माल एयरक्राफ्ट्स समिट' में मध्यप्रदेश के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए उप सचिव, विमानन विभाग, मध्यप्रदेश शासन डॉ. कैलाश बुंदेला द्वारा किया गया। मध्यप्रदेश नागर विमानन नीति-2025 की जानकारी दी। उन्होंने निवेशकों से आव्हान किया कि वे मध्यप्रदेश की उड़ान में सहभागी बनें। प्रदेश की विमानन नीति वैल्यू चैन के समस्त पहलुओं को ध्यान में रखकर बनाई गई है तथा नीति में प्रदेश स्थित एयरपोर्ट्स से नवीन गंतव्यों के लिए हवाई सेवाएं, मेंटेनेंस, रिपेयर, ओवरहॉल उड़ान प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करने के लिए निवेश प्रोत्साहन सहायता का प्रावधान है। उन्होंने निवेशकों ने बताया कि

प्रदेश में प्रति वर्ष 200 कॉमर्शियल पायलट्स तैयार किये जा रहे हैं, जो देश में सर्वाधिक है।

उप सचिव डॉ. बुन्देला ने बताया की मध्यप्रदेश में 1 वर्ष से यह सेवा संचालित है तथा गत वित्तीय वर्ष में इस सेवा के 58 लाभार्थी रहे। उन्होंने बताया कि केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ने प्रदेश सरकार के प्रयासों की सराहना की तथा इस सेवा का अधिक से अधिक उपयोग करने पर बल दिया।

उल्लेखनीय है कि पायलट्स हेतु देश का एक मात्र ट्रेनिंग संस्थान खजुराहो में है तथा देश में हेलीकॉप्टर पायलट्स की आवश्यकता है। उप सचिव, विमानन डॉ. बुन्देला ने समिट में मध्यप्रदेश में जिन हवाई पट्टियों का उन्नयन कर एयरपोर्ट में विस्तार किया जाना प्रस्तावित है उन पर यथाशीघ्र एयरपोर्ट निर्माण कार्य शुरू करने का अनुरोध किया, इसके साथ-साथ उड़ान योजना के अंतर्गत स्टेट स्पॉन्सर्ड रूट्स पर भी भी आसीएस रूट्स की तरह 80-20 की वीजीएफ प्रदान करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि समिट में निवेशकों ने कहा कि भोपाल आकर वे निवेश के संबंध में विस्तार से चर्चा करेंगे।

उपयंत्री सुश्री अपेक्षा वर्मा निलंबित

भोपाल (एजेंसी)। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने कटनी जिले की नगर परिषद बरही में पदस्थ उपयंत्री सुश्री अपेक्षा वर्मा को कार्य के प्रति लापरवाही बरतने के कारण निलंबित कर दिया है।

नगरीय प्रशासन आयुक्त ने पिछले दिनों जबलपुर में संभाग के नगरीय निकायों की समीक्षा बैठक में योजनाओं और निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की थी। समीक्षा बैठक के दौरान उपयंत्री सुश्री वर्मा के क्षेत्र में निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने के प्रकरण सामने आये थे। जाँच के बाद नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय ने उनके निलंबन संबंधी आदेश शुक्रवार को जारी किये। निलंबन अवधि में सुश्री वर्मा का मुख्यालय संभागीय संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास कार्यालय जबलपुर रहेगा।

मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी के प्रतिनिधियों ने दिल्ली में कार्यशाला में की सहभागिता

भोपाल।(एजेंसी)। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के लिए, शुक्रवार को विश्वकर्मा भवन आईआईटी दिल्ली में एक दिवसीय कार्यशाला में मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी के प्रतिनिधि अधिकारियों ने सहभागिता की। कार्यशाला में मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी के संयुक्त संचालक डॉ. उत्तम सिंह चौहान ने अकादमी की कार्ययोजना, संचालित गतिविधियों, प्रगति प्रतिवेदन एवं प्रकाशित पुस्तकों की जानकारी प्रस्तुत की। ज्ञातव्य है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप भारतीय भाषाओं के समग्र और बहुविषयक विकास के लिए क्रियान्वयन एवं कार्ययोजना के लिए आवश्यक एवं महत्वपूर्ण अनुशंसा करने के लिए भारतीय भाषा समिति का गठन किया गया है।

भारतीय भाषा समिति द्वारा मुख्य रूप से भारतीय भाषाओं के लिए एक समान वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली मंथन को लेकर यह कार्यशाला आयोजित की गई थी।

मध्यप्रदेश में कोरोना से इस साल छठी मौत

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में कोरोना से इस साल की छठी मौत हुई है। 50 साल की महिला कई गंभीर बीमारियों से जूझ रही थी। उसे सेप्टिक शॉक, किडनी की परेशानी, हाई ब्लड प्रेशर, कोरोना संक्रमण, फेफड़ों में सूजन, फेफड़ों में हवा भरना (न्यूमोथोरैक्स), एसिड बढ़ना (एसिडोसिस) और दिमाग की समस्या (एन्सेफेलोपैथी) थी। इन सभी कारणों से उसकी हालत लगातार बिगड़ती गई और आखिरकार उसकी मौत हो गई। इस साल कोरोना से जितनी भी मौतें हुई हैं, वे सभी महिलाएं थीं।

भिंड- 52 वर्षीय महिला के फेफड़ों में गंभीर सूजन और सांस लेने में काफी परेशानी हो रही थी। ग्वालियर के एक अस्पताल में महिला की इलाज के दौरान 23 जून को मौत हो गई।

रतलाम- 52 वर्षीय महिला, जिन्हें टीबी, ब्रोंकाइटिस और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियां थीं। मौत 11 जून को इंदौर में इलाज के दौरान हुई।

खरगोन- 44 वर्षीय महिला, जिन्होंने हाल ही में एमटीएच अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया था। 6 जून को एमआरटीबी अस्पताल में मृत्यु हुई।

इंदौर- 74 वर्षीय महिला, जिन्हें किडनी की बीमारी थी। 27 अप्रैल को अरबिंदो अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हुई थी।

मंडला- नारायणगंज निवासी महिला की जबलपुर के मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान कोरोना से मौत हुई। महिला गर्भवती थी और उसे डिलीवरी के लिए भर्ती कराया गया था।

आमजनों के प्रति संवेदनशील ऊर्जा महकमा

भोपाल (एजेंसी)। लोक सेवा प्रबंधन विभाग द्वारा सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निराकरण की स्थिति के आधार पर जारी ग्रेडिंग में ऊर्जा विभाग लगातार प्रथम स्थान पर बना हुआ है। विभागों की जारी ग्रेडिंग में एक मई से 31 मई 2025 तक की स्थिति में शिकायतों के निराकरण में ऊर्जा विभाग नम्बर-1 है। जून 2023 से अगस्त 2024 तक भी ऊर्जा विभाग लगातार प्रथम स्थान पर रहा है। दूसरे नम्बर पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी गत दिनों सीएम हेल्पालाइन के प्रकरणों के निराकरण में ऊर्जा विभाग के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई दी थी। ऊर्जा विभाग की आमजनों के बीच लगातार संवेदनशील छवि बनी हुई है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विभागीय अधिकारियों द्वारा शिकायतों के निराकरण में तत्परता से की गई कार्यवाही पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि आशा ही नहीं पूरा विश्वास है कि अधिकारी आगे भी बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का इसी तरह से त्वरित निराकरण करते रहेंगे। सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर ऊर्जा विभाग से संबंधित शिकायतों के निराकरण के लिये एल-1 अधिकारी के रूप में कनिष्ठ अभियंता/सहायक अभियंता, एल-2 अधिकारी के रूप में कार्यपालन अभियंता, एल-3 अधिकारी के रूप में अधीक्षण अभियंता एवं एल-4 अधिकारी के रूप में मुख्य अभियंता सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज हैं और उक्त सभी अधिकारियों द्वारा आमजन की शिकायतों का संवेदनापूर्वक निराकरण किया जाता है। प्रत्येक स्तर पर शिकायत के निराकरण के लिये 7 दिन का समय निर्धारित किया गया है। शिकायतों के निराकरण के बाद सीएम हेल्पलाइन कॉल-सेंटर द्वारा शिकायतकर्ता से दूरभाष पर निराकरण के संबंध में संतोषजनक जवाब प्राप्त करने के बाद ही शिकायतों को बंद किया जाता है।

लोक निर्माण विभाग हरियाली और जल संरक्षण पर चलाएगा व्यापक अभियान

भोपाल (एजेंसी)। लोक निर्माण विभाग अब निर्माण कार्यों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और जल संसाधनों के स्थायी प्रबंधन की दिशा में प्रभावी प्रयास कर रहा है। विभाग द्वारा आगामी 1 जुलाई 2025 को एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत एक लाख पौधे रोपने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह वृक्षारोपण कार्यक्रम स्कूलों में संचालित 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' अभियान से भी समन्वित रहेगा। विभाग ने अभियंताओं को वृक्षारोपण स्थलों की पहचान, पौधों की उपयुक्त प्रजातियों के चयन तथा जिम्मेदारियों के निर्धारण के निर्देश दिए हैं। विभाग ने हरियाली को संरक्षित करने के लिए पेड़ों के स्थानांतरण यानि ट्री-शिफ्टिंग की नीति को अपनी दर सूची एसओआर में शामिल किया है। इसके तहत निर्माण कार्यों के दौरान पेड़ों को काटने के बजाय सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जा रहा है। भोजपुर-बंगरसिया मार्ग के 4 लेन चौड़ीकरण कार्य में 450 से अधिक पेड़ों को शिफ्ट किया जाएगा। अन्य निर्माण परियोजनाओं में भी इस नीति को अपनाया जा रहा है, जिससे हरियाली को संरक्षित रखा जा सके। जल संरक्षण की दिशा में विभाग द्वारा सड़क किनारे रिचार्ज बोर के निर्माण की योजना भी लागू की जा रही है। इस योजना का उद्देश्य वर्षा जल को सीधे भूगर्भ में पहुंचाकर ग्राउंड वाटर रिचार्ज को बढ़ावा देना है। एलिवेटेड कॉरिडोर सहित सभी वर्तमान और निर्माणाधीन फ्लाईओवर एवं आरओबी में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था अनिवार्य की गई है, जिससे वर्षा जल का समुचित उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। विभाग द्वारा 'लोक कल्याण सरोवर' योजना के अंतर्गत जल संरक्षण को नई दिशा दी जा रही है। सड़क निर्माण में उपयोग की गई मिट्टी के खुदाई स्थलों को स्थायी जल संरचनाओं में बदला जा रहा है। इन सरोवरों को वैज्ञानिक तरीके से डिजाइन किया जा रहा है, साथ ही सौंदर्यीकरण, वृक्षारोपण, सूचना पटल की स्थापना और जियो-टैगिंग जैसी व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जा रही हैं।

विकसित मध्यप्रदेश और आत्मनिर्भर भारत की रीढ़ एमएसएमई

भोपाल (एजेंसी)। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) न केवल भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन को आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक रोजगार से जोड़ने का सशक्त माध्यम भी हैं। वर्ष 2017 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 'अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस' घोषित किया गया था। इसका उद्देश्य सतत विकास के लक्ष्यों में एमएसएमई के योगदान के प्रति जागरुकता बढ़ाई जा सके। ुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारा लक्ष्य एमएसएमई के माध्यम से प्रत्येक परिवार में कम से कम एक व्यक्ति को स्वरोजगार अथवा रोजगार से जोड़ने का है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी इस क्षेत्र को भारतीय औद्योगिक ढांचे की बुनियाद बताया है। एमएसएमई हमारे देश की आर्थिक वृद्धि में परिवर्तनकारी भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा है कि हम इस क्षेत्र के पोषण और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध हैं। वर्तमान में देशभर में एमएसएमई की संख्या 6 करोड़ से अधिक हो चुकी है और इस क्षेत्र को मिलने वाले ऋण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है-जो 10 वर्ष पूर्व 12 लाख करोड़ रुपये था, अब 30 लाख करोड़ रुपये हो चुका है। वर्तमान में ऋण गारंटी कवर को बढ़ाकर 20 करोड़ रुपये कर दिया गया है। साथ ही 5 लाख रुपये तक कार्यशील पूंजी के लिए भी कस्टमाइज्ड क्रेडिट कार्ड की सुविधा प्रदान की गई है। राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश एमएसएमई विकास नीति 2025, स्टार्टअप नीति एवं कार्ययोजना 2025 संशोधित तथा भवन आवंटन नियम 2025 जारी किये। वर्ष 2025-26 में विभिन्न स्व-रोजगार योजनाओं के अंतर्गत कुल 4 लाख 15 हजार 254 हितग्राहियों को लाभान्वित किया है। इनमें 3,861.48 करोड़ की राशि वितरित की गई। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत सर्वाधिक 3,83,886 हितग्राहियों को 3,429.51 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान की गई। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत 24 हजार 349 हितग्राहियों को 224.99 करोड़ रुपये, जबकि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (क्ष्ठ्रत्रक्र) के अंतर्गत 5 हजार 345 लाभार्थियों को 329 करोड़ रुपये की सहायता दी गई। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, युवा स्वरोजगार योजना, उद्यम क्रांति योजना और भवन एवं अन्य निर्माण कर्मकार कल्याण योजनाओं के माध्यम से भी हज़ारों हितग्राहियों को रोजगार से जोड़ा गया। इन योजनाओं के साथ ही प्रदेश में मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के अंतर्गत 730 हितग्राहियों को 54.06 करोड़ रुपये, मुख्यमंत्री युवा हितग्राहियो को 1.10 करोड़ रुपये, अनुसूचित जाति कल्याण योजना के अंतर्गत 48 हितग्राहियो को 1.54 करोड़ रुपये और अनुसूचित जनजाति कल्याण योजना के अंतर्गत 65 हितग्राहियों को 0.30 करोड़ रुपये की सहायता भी प्रदान की गई। मध्यप्रदेश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग सामाजिक और आर्थिक भविष्य के शिल्पकार बन चुके हैं।

सरपंचों ने 292 कुपोषित बच्चों को पोषित करने की जिमेदारी ली

भोपाल (एजेंसी)। ग्वालियर को कुपोषण मुक्त बनाने के लिये 2 विकासखण्डों के सरपंचों ने 292 बच्चों को गोद लेकर कुपोषण से मुक्त करने का संकल्प लिया है। ग्वालियर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान द्वारा नवाचार के रूप में नई पहल सरपंच संवाद कार्यक्रम प्रारंभ की गयी है। ग्वालियर जिले के 2 ब्लॉक घाटीगाँव और भितरगाँव में सरपंचों ने कुपोषण से मुक्ति के लिये 292 बच्चों को गोद लिया। कार्यक्रम में 15 अगस्त तक जिले को कुपोषण से मुक्ति दिलाने का संकल्प भी लिया गया। कलेक्टर श्रीमती चौहान की पहल पर जल गंगा संवर्धन अभियान में मनरेगा एवं ग्रामीणों के सहयोग से एक ही दिन में बड़ी संख्या में खेत-तालाब का निर्माण कर एक मिसाल कायम की है। ग्वालियर जिले की 263 ग्राम पंचायतों में 25 जून को 263 खेत-तालाब निर्माण एवं जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार का कार्य किया गया।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने जल गंगा संवर्धन अभियान एवं सरपंच संवाद कार्यक्रम में सरपंचों को अपनी ग्राम पंचायत में खेतों की मेड़ पर पेड़ लगाने के लिये प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जो सरपंच वृहद स्तर पर पौध-रोपण करायेंगे, उन्हें 15 अगस्त पर सम्मानित किया जायेगा। कलेक्टर ने हर ग्राम पंचायत में राम वन'' अर्थात मियांबाकी पद्धति से समूह में पौधे रोपने के लिये सरपंचों से आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना में बने आवासों और शासकीय भवनों में भी पौध-रोपण किया जाये। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में जो सरपंच अपनी पंचायत में सर्वाधिक खेत-तालाब बनवायेंगे, उन्हें सम्मानित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि सभी सरपंच स्थल चयन कर शीघ्र खेत-तालाब बनवायें।

अटल पेंशन योजना के क्रियान्वयन में बालाघाट जिला देश में प्रथम

भोपाल (एजेंसी)। असंगठित क्षेत्र के कामगारों को वृद्ध अवस्था में आर्थिक संबल प्रदान करने वाली अटल पेंशन योजना के क्रियान्वयन में बालाघाट जिले ने देश में पहला तथा श्योपुर जिले ने तीसरा स्थान अर्जित किया है। उल्लेखनीय है कि सूची में 10 में से 3 जिले मध्यप्रदेश के हैं। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को 60 वर्ष की आयु के बाद एक निश्चित पेंशन राशि प्रदान करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा अटल पेंशन योजना संचालित की जा रही है। इस योजना में अधिक से अधिक असंगठित क्षेत्र के लोगों को जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में नए लोगो को जोड़ने और उनका पंजीयन कराने में बालाघाट जिला देश में प्रथम स्थान पर है। यह बालाघाट जिले के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। कलेक्टर श्री मृणाल मीणा की पहल पर जिले में बैंको द्वारा कृषि, महिला एवं बाल विकास, आजीविका मिशन एवं श्रम विभाग के साथ समन्वय कर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। देश में 01 मई 2025 से अटल पेंशन योजना में अधिक से अधिक लोगो को जोड़ने के लिए विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है, अभियान 15 जुलाई 2025 तक चलेगा। कलेक्टर श्री मृणाल मीणा द्वारा इस अभियान के अंतर्गत जिले में 50 हजार लोगों को इस योजना से जोड़ने का लक्ष्य दिया गया है। इस विशेष अभियान में तक 10 हजार 925 असंगठित क्षेत्र के कामगारों एवं लोगो को इस योजना से जोड़ा जा चुका है, जो देश के सभी जिलों में सबसे अधिक है। केंद्रीय एजेंसी द्वारा बालाघाट जिले को 2992 लोगों को जोड़ने का लक्ष्य दिया गया है। इस लक्ष्य के विरूद्ध 10 हजार 925 लोगों को जोड़कर 365 प्रतिशत उपलब्धि के साथ बालाघाट जिला देश में प्रथम स्थान पर है। द्वितीय स्थान पर कर्नाटक का कोलार, तृतीय स्थान पर मध्यप्रदेश का श्योपुर, चतुर्थ स्थान पर कर्नाटक का चिकबल्लापुर, पंचम स्थान पर उत्तरप्रदेश का बाराबंकी,छठवें स्थान पर पश्चित बंगाल का माल्दा, सातवें स्थान पर उत्तरप्रदेश का महाराजगंज, आठवें स्थान पर मध्यप्रदेश का उज्जैन व नौवें स्थान पर अलीराजपुर तथा दसवें स्थान पर पश्चित बंगाल का मुर्शिदाबाद जिला है। अटल पेंशन योजना से जुड़ने में बालाघाट जिले में पुरूषों की तुलना में महिलाओं ने अधिक रूचि दिखाई है। बालाघाट जिला 1000 पुरुषों पर 1021 महिलाओं के साथ लिंगानुपात में प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। योजना के इस अभियान के अंतर्गत जिले में 9604 महिलाओं, 1320पुरूषों एवं 01 ट्रॉसजेंण्डर ने अपना पंजीयन कराया है।

इस प्रकार अटल पेंशन योजना के अंतर्गत जिले में पंजीकृत कुल लोगों की संख्या 01 लाख 05 हजार 477 हो गई है। जिसमें 61 हजार 509 महिला?, 43 हजार 953 पुरूष और 15 ट्रॉसजेण्डर शामिल है। इस योजना में पंजीकृत महिलाओं की संख्या बता रही है।

जीएडी को मिले 24 नए डिप्टी कलेक्टर

भोपाल (एजेंसी)। सामान्य प्रशासन विभाग ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग से चयनित 24 अफसरों को विभाग के पूल में शामिल किया है। इन सभी अधिकारियों की पदस्थापना प्रोबेशनर डिप्टी कलेक्टर के रूप में की गई है। इसमें 2021 बैच की एक अफसर प्राशी अग्रवाल जबलपुर हैं जिन्हें वेटिंग लिस्ट के आधार पर पदस्थापना मिली है। वहीं दूसरी ओर 2022 बैच के लिए सिलेक्ट हुए 23 अफसरों को भी प्रोबेशनरी अफसर बनाया गया है। जिन अफसरों को 2022 बैच का डिप्टी कलेक्टर बनाकर जीएडी पूल में पदस्थ किया गया है उसमें दीपिका पाटीदार देवास, आदित्य नारायण तिवारी नर्मदापुरम, सुरभि जैन छतरपुर, महिमा चौधरी रायसेन, धर्म प्रकाश मिश्रा अनूपपुर, शानू चौधरी बालाघाट, स्वाती सिंह सतना, उमेश अवस्थी छतरपुर के नाम शामिल हैं। इनके अलावा कविता देवी यादव टीकमगढ़, प्रत्युष श्रीवास्तव सिवनी, प्रियांशी जैन सिवनी, आयशा अंसारी रीवा, सरकार बावरिया छिंदवाड़ा, रोहित कुमार लोधी पन्ना, अनिल कछवारे देवास, रोहित राणावत उज्जैन, वैशाली सोलंकी इंदौर, ग्लैक्सी नगपुरे बालाघाट, निशांत भूरिया जबलपुर, ममता चौहान अलीराजपुर, संदीप कुमार परस्ते अनूपपुर, कमल मंडलोई धार को प्रोबेशनर डिप्टी कलेक्टर पदस्थ किया गया है। सरकार ने इन अफसरों को पोस्टिंग देने के साथ एक बांड भराने का भी आदेश दिया है। इसमें कहा गया है कि अगर किसी अफसर का प्रोबेशन पीरियड सफल नहीं होता है तो स अवधि में शासन द्वारा संबंधित अफसर पर खर्च किए गए वेतन भत्ते, यात्रा भत्ते और अन्य अग्रिम खर्च तथा प्रशिक्षण में आने वाले खर्च की राशि की वापसी करनी होगी। इन्हें प्रशासन अकादमी से विभागीय परीक्षाएं भी पास करना होगा।

पीडब्ल्यूडी की पहलप्रदेश में हाईवे के किनारे लगाए जाएंगे 1 लाख पौधे

भोपाल (एजेंसी)। पीडब्ल्यूडी और मप्र रोड डवलपमेंट कॉर्पोरेशन मिलकर मप्र के अपने प्रोजेक्ट किनारे एक लाख पौधे लगाने की तैयारी कर रहे हैं। जो पौधे लगाए जाएंगे, उनमें नीम, पीपल, जामुन के साथ ऐसे पौधे शामिल किए गए हैं, जो कम पानी में तेजी से बढ़ सके। इन पौधों की साइज 4 से 6 फीट रहेगी। दोनों एजेंसी ने मिलकर प्रदेश में इसके लिए 1165 स्थान चिन्हित कर लिए हैं। इसमें से भोपाल संभाग में 239 और चीफ इंजीनियर ब्रिज भोपाल के अंतर्गत 178 जगह चिन्हित की गई हैं। जबकि सबसे अधिक जबलपुर संभाग में 265 जगह, इंदौर संभाग में 120, सागर में 117, रीवा संभाग में 87, ग्वालियर में 83, उज्जैन में 49 और एनएच भोपाल में 27 जगह चिन्हित की गई हैं। इसका मतलब कि पीडब्ल्यूडी और आरडीसी की जितनी भी सड़क किनारे की जमीन है, उसमें पूरे में पौधे रोपे जाएंगे। इसका दूसरा मकसद इस खाली जमीन को अतिक्रमण से बचाना भी है। पौधरोपण का काम एक जुलाई से पूरे प्रदेश में शुरू होगा। पौधरोपण के साथ ही 1 जुलाई से भोपाल 11 मील तिराहे से बंगरसिया तक सड़क किनारे लगे पेड़ों को शिफ्ट करने का काम शुरू हो जाएगा।

हिनौती गौधाम में दो करोड़ 67 लाख रुपए की लागत से बनाए जाने वाले 4 शेड का भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि गौमाता पवित्रता की पराकाष्ठा है। गौमाता की कृपा से ही सभी मनोरथ और संकल्प पूर्ण होते हैं। एक भी गौमाता बेसहारा नहीं रहेंगी। उप मुख्यमंत्री ने मनगवां विधानसभा अन्तर्गत हिनौती गौधाम में दो करोड़ 67 लाख रुपए की लागत से बनाए जाने वाले 4 गौवंश संरक्षण शेड का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सहित अन्य अतिथियों ने गौपूजन कर गायों को गुड़ और चना खिलाया।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि गौ माता की रक्षा से सृष्टि की रक्षा होती है। भारत माता की जय से पहले गौमाता की जय है। उन्होंने कहा कि खेती के साथ-साथ गौमाता को भी बचाना आवश्यक है। हिनौती गौधाम में आने वाले समय में 60 शेड बनाकर लगभग 50 हजार गौवंशों का संरक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि रीवा जिले में गौ अभ्यारण्यों की स्थापना गौमाता की संरक्षण की दिशा में किए जा रहे प्रयास हैं। हिनौती गौधाम में विकास के नए अवसर खुलेंगे और यह आर्थिक रूप से समृद्धशाली गौशाला होगी। दिल से की गई गौ सेवा से ही मानव जाति का कल्याण होगा। उन्होंने हिनौती गौधाम के विकास के लिए स्थानीय जन समुदाय द्वारा दिए गए भूमिदान व अन्य सहयोग की प्रशंसा की तथा कहा कि जन भागीदारी से ही यह पुनीत कार्य और आगे बढ़ेंगे। उन्होंने गौधाम के विकास के लिए विधायक मनगवां द्वारा किए जा रहे कार्य की भी प्रशंसा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गौधाम में चारागाह की व्यवस्था के साथ ही वृक्षारोपण सहित अन्य विकास के कार्य सतत रूप से संचालित होते रहेंगे और प्रतिमाह किसी न किसी कार्य का भूमिपूजन या लोकार्पण होता रहेगा।

कार्यक्रम में अपने आशिर्वचन में अयोध्या से पधारे जगतगुरू राघवाचार्य जी ने कहा कि गौमाता की सुख-शांति से ही धरती पर सुख-शांति स्थापित होती है। गाय विश्व की आयु, शक्ति और सम्पत्ति है। उन्होंने कहा कि उप मुख्यमंत्री शुक्ल सामाजिक विकास के साथ आध्यात्मिक विकास भी कर रहे हैं और गौमाता की कृपा से ही उनके सभी संकल्प मनोरथ पूर्ण हो रहे हैं। जगतगुरू ने कहा कि गौधाम की स्थापना से इस अंचल में सुख और समृद्धि का विकास होगा। इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत नीता कोल ने उप मुख्यमंत्री जी द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की चर्चा की। विधायक मनगवां इंजीनियर नरेन्द्र प्रजापति ने कहा कि हिनौती गौधाम में एक वर्ष पूर्व उप मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रारंभ किए गए कार्य अब मूर्त रूप ले रहे हैं। आने वाले समय में यह स्थल अद्वितीय व अप्रतिम स्थल के तौर पर विकसित होगा और देश में गौ सेवा के क्षेत्र में इसका प्रमुख स्थान रहेगा। कार्यक्रम में विधायक मऊगंज प्रदीप पटेल ने कहा कि बाणसागर की नहरों से सिंचाई की सुविधाएं प्राप्त कर किसान समृद्धशाली हुए हैं। उप मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से ही रीवा जिले में गौ अभ्यारण्यों की स्थापना हुई है। मऊगंज जिले में भी शीघ्र ही गौ अभ्यारण्य स्थापित किया जाएगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनपद अध्यक्ष गंगेव विकास तिवारी ने कहा कि हिनौती गौधाम विस्तृत व संपन्नशाली गौधाम बनने की ओर अग्रसर है। इससे पूर्व स्वागत उद्बोधन देते हुए गौधाम के संचालक तथा जिला गौ संवर्धन बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष राजेश पाण्डेय ने बताया कि उप मुख्यमंत्री जी की संकल्पना मूर्त रूप ले रही है। यह गौधाम देश व प्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा। उन्होंने लालगांव हिनौती से लेकर अंचल के सभी कृषकों से गौशाला में भागीदार होने व सहयोग करने की अपेक्षा की। कार्यक्रम को गौ सेवक कमलेश पटेल ने भी संबोधित किया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कार्यक्रम में दानदाताओं का सम्मान किया तथा गौ सेवकों को छाता व रेनकोट वितरित किए। उप मुख्यमंत्री ने गौधाम परिसर में वृक्षारोपण भी किया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी, पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी, पूर्व महापौर वीरेन्द्र गुप्ता, बाला व्यंकटेश शास्त्री, जिला पंचायत सदस्य नंदिनी त्रिपाठी, डॉ प्रभाकर चतुर्वेदी, सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, एसडीएम राजेश सिन्हा, सोनल शर्मा, रामकुशल पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में संतगण, प्रबुद्धजन तथा अधिकारी-कर्मचारी व ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सागर साकेत का राज्य स्तरीय इंस्पायर अवार्ड के लिए चयन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सुदर्शन पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल, आचार्य विनोबा भावे वार्ड क्रमांक 15, सतना के छात्र सागर साकेत ने राज्य स्तरीय इंस्पायर अवार्ड प्रतियोगिता में चयनित होकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय के प्रबंधक अंशुल कुशवाहा ने इसे गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि सागर की उपलब्धि पूरे विद्यालय के लिए प्रेरणादायक है।

विद्यालय के संचालक राजकुमार कुशवाहा ने बताया कि सतना और मैहर जिले के 173 मॉडलों में से 17 मॉडलों का चयन राज्य स्तरीय इंस्पायर अवार्ड के लिए हुआ, जिसमें सुदर्शन पब्लिक स्कूल का मॉडल भी शामिल है। यह मॉडल पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तैयार किया गया, जो बड़े वृक्षों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने में सहायक है। मॉडल को सागर साकेत ने शिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यालय परिसर में तैयार किया।

विद्यालय की संचालिका सुनीता कुशवाहा ने सागर, उनके मार्गदर्शक शिक्षकों अंकिता मिश्रा, बालेश कुशवाहा और अर्पित कुशवाहा के साथ-साथ सभी शिक्षकों और विभागों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय हमेशा प्रतिभावान छात्रों को ऐसे अवसरों के लिए प्रोत्साहित और सहयोग करेगा। समस्त विद्यालय परिवार ने सागर साकेत को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

तारिफ खान बने बिछिया मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आगामी 6 जुलाई को मोहर्रम पर्व की तैयारियों के लिए बिछिया स्थित मदरसा इस्लामिया में एक बैठक आयोजित की गई। हाजी मोहम्मद सफीक खान की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में मोहल्ले के ताजियादार, अखाड़ा और गिरोह पार्टी के प्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों, जामा मस्जिद बिछिया के सदर इस्लाम अहमद गुड्डू और मदरसा इस्लामिया के सदर वाईज खान की उपस्थिति में सर्वसम्मति से तारिफ खान जानी को बिछिया मोहर्रम कमेटी का अध्यक्ष चुना गया।

निर्वाचित अध्यक्ष तारिफ खान ने अपनी कमेटी गठित की, जिसमें लईक खान को सचिव, तौसीफ अहमद रेशी और मोहम्मद इमरान गुलाब को संरक्षक, वाईज खान को कार्यकारी अध्यक्ष, मोहम्मद रईश खान, शमीम अख्तर नूर, जावेद खान और वाशिद खान को उपाध्यक्ष, माजिद खान को कोषाध्यक्ष, अजहरूद्दीन अज्जू को मीडिया प्रभारी, तथा एनाम खान, अरमान खान राहुल, आशिफ खान गोलू, तौहीद खान बाबू और मस्तान खान को सह-सचिव का दायित्व सौंपा गया। बैठक का संचालन मोहम्मद लईक खान ने किया। मीडिया प्रभारी अजहरूद्दीन अज्जू और सचिव लईक खान ने बताया कि मोहर्रम, हजरत इमाम हुसैन और उनके आल की करबला में शहादत की याद में मनाया जाने वाला पर्व है, जिसे 6 जुलाई को पूरी अकीदत के साथ परंपरागत रूप से मनाया जाएगा। तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं, जिसमें गिरोह और अखाड़ा पार्टियां अपने प्रदर्शन का रिहर्सल कर रही हैं, जबकि ताजियों का निर्माण भी तेजी से हो रहा है।

बैठक में सलामुद्दीन, असलम खान, जमील खान, आबिद खान, अरशद खान, फजलू खान, नूर अहमद, शकील खान, नवाब खान, उवैश खान, राजू, उस्मान, सुनैन, जैद, आर्यन, अकीउल्ला, आकिद, अलतमस, अमन, साहिल, अयान, गुड्डू सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पॉलिटेक्निक कालेज में प्रवेश का अवसर, प्रक्रिया प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय पॉलिटेक्निक कालेज रीवा में विभिन्न इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में कक्षा 10वीं, कक्षा 12वीं तथा आईटीआई उत्तीर्ण विद्यार्थियों को प्रवेश का अवसर दिया जा रहा है। इस संबंध में प्राचार्य ने बताया कि कालेज में प्रवेश की प्रथम चरण की प्रक्रिया पूरी हो गई है। दूसरे चरण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। पॉलिटेक्निक कालेज में सिविल इंजीनियरिंग में 41, मेकेनिकल इंजीनियरिंग में 36, इलेक्ट्रॉनिक एण्ड टेली कम्युनिकेशन में 50 तथा कम्प्यूटर हार्डवेयर में 52 सीटें रिक्त हैं। कक्षा 10वीं या इससे अधिक शैक्षणिक योग्यता प्राप्त विद्यार्थी कालेज में प्रवेश लेकर डिप्लोमा प्राप्त कर सकते हैं। कालेज के विद्यार्थियों का प्लेसमेंट लगभग शत-प्रतिशत है। शासन द्वारा लगभग 20 नवाचारों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने कौशल को बेहतर करने का अवसर भी कालेज में दिया जा रहा है। शासन द्वारा पात्रता के अनुसार विभिन्न छात्रवृत्ति एवं बैंकों के माध्यम से शिक्षा ऋण की भी सुविधा दी जा रही है।

चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज़ों का सत्यापन एक जुलाई से

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (एमपी ट्रांसको) द्वारा कनिष्ठ अभियंता (पारेषण-प्रशिक्षु) एवं लाइन परिचारक (प्रशिक्षु)-2024 के पदों पर चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज़ सत्यापन की प्रक्रिया आगामी एक जुलाई से प्रारंभ होगी। यह प्रक्रिया तीन जुलाई तक चलेगी। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता अतुल जोशी ने बताया कि सत्यापन प्रतिदिन प्रातः 10.00 बजे से एमपी ट्रांसको मुख्यालय, शक्तिभवन, ब्लॉक-2, मुख्य अभियंता (मानव संसाधन एवं प्रशासन) कार्यालय, जबलपुर में किया जाएगा। उम्मीदवारों द्वारा ऑनलाइन आवेदन के साथ अपलोड किए गए प्रमाण पत्र, अंकसूचियाँ एवं अन्य दस्तावेज़ों का परीक्षण उनकी मूल प्रतियों से किया जाएगा। इसके लिए तीन दल गठित किए गए हैं, जो दस्तावेजों का प्रारंभिक सत्यापन करेंगे। तत्पश्चात इन दस्तावेज़ों का अंतिम परीक्षण अधीक्षण अभियंताओं द्वारा किया जाएगा। सभी चयनित अभ्यर्थियों को दस्तावेज़ सत्यापन के संबंध में व्यक्तिगत रूप से सूचना प्रदान की जा चुकी है।

सतना के रामपुर बघेलान ने नीति आयोग की डेल्टा रैंकिंग में हासिल किया प्रथम स्थान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नीति आयोग की मार्च 2025 डेल्टा रैंकिंग में सतना जिले के रामपुर बघेलान विकासखंड ने मध्य भारत जोन में प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह उपलब्धि स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि और बुनियादी ढांचे में विकासखंड की प्रगति का परिणाम है। जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी गौरव शर्मा ने बताया कि मध्यप्रदेश के इस विकासखंड ने देश के पांचवें जोन में पहला स्थान हासिल किया, जिसके लिए नीति आयोग 2.5 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान करेगा। रैंकिंग की घोषणा नीति आयोग के वर्चुअल कार्यक्रम में हुई, जिसमें भारत को छह जोनों में विभाजित किया गया था। कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार और जिला पंचायत सीईओ संजना जैन ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी। कलेक्टर ने कहा कि अब लक्ष्य चैंपियंस ऑफ द क्वार्टर ओवरऑल परफॉर्मेंस में प्रथम स्थान प्राप्त करना है।

विश्व हिंदू परिषद के नि:शुल्क हड्डी रोग शिविर में 586 मरीजों को मिला लाभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विश्व हिंदू परिषद (सेवा विभाग) द्वारा 28 जून 2025 को कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम, रीवा में निःशुल्क हड्डी रोग शिविर का आयोजन किया गया। जिला मीडिया प्रमुख सुमित डिगवानी ने बताया कि सुबह 10 बजे से शुरू हुए इस शिविर में रीवा, सीधी, मऊगंज, सतना और पन्ना जिले के विभिन्न तहसीलों से 586 मरीजों ने हिस्सा लिया।

शिविर में इंदौर के सहज हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉक्टरों और उनकी टीम ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। रजिस्ट्रेशन के साथ बी.पी., शुगर जैसी प्राथमिक जांच की गई, जिसके बाद हड्डी रोग विशेषज्ञों ने मरीजों का उपचार किया। जरूरतमंद मरीजों को फिजियोथेरेपी डॉक्टरों द्वारा रोग से संबंधित व्यायाम सिखाए गए। शिविर में निःशुल्क परामर्श और एक्स-रे की सुविधा प्रदान की गई।

जिला अध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद सेवा कार्यों को तहसील स्तर तक ले जाएगा, ताकि समाज के हर वर्ग तक मदद पहुंचे। भविष्य में विभिन्न रोगों के लिए निःशुल्क शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस शिविर को सफल बनाने के लिए विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने गाँव-गाँव संपर्क कर लोगों को जागरूक किया।

शिविर के आयोजन में प्रांत संगठन मंत्री जितेंद्र वर्मा, प्रांत सहमंत्री प्रदीप गुप्ता, प्रांत सेवा प्रमुख दुर्गेश मिश्रा, जिला अध्यक्ष सुनील सिंह, अवधेश सिंह, मनीष भार्गव, आनंदमूर्ति तिवारी, दिव्यांशु गौतम, रामकृष्ण गौतम, हरीश ढींगरा, रामकलेश यादव, सुमित मांजवानी, प्रीति मिश्रा, रिचा मिश्रा, आशीष सेन, जलसा विश्वकर्मा, मृत्युंजय सिंह, बृजेंद्र मिश्रा, निहारिका सिंह, खुशबू गुप्ता, पिंकी सिंह, सपना सिंह, सतेंद्र त्रिपाठी, अंजली पांडे, दुर्गेश द्विवेदी, निहारिका सेंगर, आनंद, उपेंद्र उपाध्याय, देवेंद्र यादव, अग्रवाल, शुभ अग्रवाल सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने योगदान दिया।

रेडियोग्राफर और लैब टेक्नीशियन की काउंसलिंग 1 जुलाई से

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल द्वारा आयोजित संयुक्त भर्ती परीक्षा 2024 (समूह-5) के तहत रेडियोग्राफर और लैब टेक्नीशियन पदों के परिणाम घोषित हो चुके हैं। चयनित अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 1 जुलाई से शुरू होगी। काउंसलिंग की सूचना अभ्यर्थियों के मोबाइल और ई-मेल पर भेजी जाएगी। विस्तृत दिशा-निर्देश मध्यप्रदेश स्वास्थ्य विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। अभ्यर्थियों से समय पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने की अपेक्षा की गई है।

मैहर जिले में 120 मिमी औसत वर्षा

मैहर. मैहर जिले में 1 जून से 28 जून 2025 तक 120 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई। अधीक्षक भू-अभिलेख के अनुसार, अमरपाटन तहसील में 122 मिमी, मैहर में 93.5 मिमी और रामनगर में 144.5 मिमी वर्षा हुई। जिले की सामान्य औसत वर्षा 919.7 मिमी है, जबकि पिछले वर्ष इस अवधि में 63.3 मिमी वर्षा दर्ज हुई थी।

जिले में अब तक 121.9 मिलीमीटर वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में 28 जून को 6.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। जिले में एक जून से अब तक 121.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। इस संबंध में अधीक्षक भू-अभिलेख महेन्द्र वास्तव ने बताया कि अब तक तहसील हुजूर में 139.3 मिलीमीटर, रायपुर कर्चुलियान में 92.5 मिलीमीटर, गुढ़ में 184 मिलीमीटर, सिरमौर में 169.6 मिलीमीटर, त्योंथर में 50 मिलीमीटर, सेमरिया में 150 मिलीमीटर, मनगवां में 112 मिलीमीटर तथा जवा में 78 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज गयी। गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 33 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गयी थी।

जलवायु परिवर्तन और वन्यजीव संरक्षण पर हुई कार्यशाला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रीवा द्वारा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश मोहन प्रधान की अध्यक्षता में "ए.सी. के बढ़ते प्रयोग से पर्यावरण पर दुष्प्रभाव समस्या व समाधान" विषय पर एक कार्यशाला और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राकेश मोहन प्रधान ने किया, जिन्होंने जलवायु परिवर्तन को वैश्विक संकट बताते हुए इसके समाधान के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया।

उन्होंने बताया कि 1975 के बाद से वैश्विक तापमान में वृद्धि हुई है, जिसमें ए.सी. का बढ़ता उपयोग भी एक कारक है। उन्होंने सुझाव दिया कि ए.सी. का तापमान 24-26 डिग्री सेल्सियस रखा जाए और इसके उपयोग को सीमित किया जाए ताकि पर्यावरण पर दुष्प्रभाव कम हो। उन्होंने कहा, "पर्यावरण संतुलित रहेगा, तभी मानव जीवन सुरक्षित रहेगा।"

विशिष्ट अतिथि जिला न्यायाधीश सुधीर सिंह राठौड़ ने पर्यावरण संरक्षण पर जानकारी दी। प्राधिकरण के सचिव समीर कुमार मिश्रा ने जल, वायु और ध्वनि प्रदूषण पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए राहत इंदौरी के शेर, "शहर क्या देखें कि हर मंजर में जाले पड़ गए, ऐसी गर्मी है कि पीले फूल काले पड़ गए," का उल्लेख कर तापमान नियंत्रण के उपाय सुझाए। आदर्श विज्ञान महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापिका आरती तिवारी ने ए.सी. के दुष्प्रभावों पर चर्चा करते हुए सलाह दी कि कूलिंग हो जाने पर ए.सी. बंद कर पंखे का उपयोग करें। जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय कुमार मिश्रा ने संविधान में वर्णित पर्यावरण संरक्षण के मौलिक कर्तव्यों पर जोर दिया। वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया, रीवा के प्रतिनिधि सुमित सिंह ने जिले में गिद्ध संरक्षण के प्रयासों की जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन लीगल एड डिफेंस काउंसिल के सहायक अनीस पाण्डेय ने किया। इसमें काउंसिल के चीफ सुरेंद्र सिंह, डिप्टी चीफ आनंद पाण्डेय, मंजूर अहमद, वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट के कार्यकर्ता चक्रपाणि मिश्रा, विधि छात्र-छात्राएं, पैरालीगल वॉलेंटियर्स और अन्य लोग उपस्थित थे।

जाहिर सूचना

क्र.-07/25, दिनांक-28/06/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कैशर अंसारी उर्फ कोसर उर्फ मोहम्मद कौसर मुसलमान वल्द वशीर अहमद उर्फ वशीर अहमद मुसलमान, वर्तमान निवसी वार्ड नं.-23, अर्जुन नगर रीवा तहसील हुजूर जिला रीवा (म.प्र.) का है एवं कैशर अंसारी द्वारा अपने स्वामित्व की आराजी खसरा नं.-607/70 रकवा 0.0070 है0 स्थित ग्राम रीवा, पटवारी हल्कारीवा, तहसीलहुजूर नगर, जिला रीवा (म.प्र.) जिस पर मकान निर्मित है, को बंधक कर कैपरी ग्लोबल हाउसिंग फाइनेन्स लिमिटेड शाखा रीवा से ऋण प्राप्त किया जा रहा है। चूंकि भूमिस्वामी के खसरे में उसका नाम कोसर दर्ज है तथा विक्रय पत्र में मोहम्मद कौसर मुसलमान दर्ज है लेकिन आधार कार्ड में भूमिस्वामी का नाम कैशर अंसारी है। भूमिस्वामी के द्वारा दिये गये नोटराइज्ड शपथ-पत्र के आधार पर कैशर अंसारी उर्फ मोहम्मद कौसर मुसलमान उर्फ कोसर एक ही व्यक्ति के नाम है। जिसके संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति। संस्था को कोई भी आपति हो तो वह इस प्रकाशन के सात दिवस के अंदर मेरे कार्यालय अथवा कैपरी ग्लोबल हाउसिंग फाइनेन्स लिमिटेड शाखा रीवा में प्रस्तुत करे। प्रकाशन दिनांक से सात दिवस के पश्चात कोई आपत्ति मान्य व स्वीकार नहीं होगी तथा भावी ऋण प्रदान कर दिया जावेगा।

भवदीय
राजेन्द्र त्रिपाठी
एडवोकेट रीवा (म.प्र.)

विचार

हरियाणा में चौपालों का वर्चस्व

हरियाणा की ग्रामीण संस्कृति में चौपाल सिर्फ एक बैठने की जगह नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और कभी-कभी राजनीतिक निर्णयों का अनौपचारिक मंच रही है। यह जगह जहाँ बुज़ुर्ग अपनी ताश की गड्डी के साथ बैठते हैं, वहीं यह सामाजिक आचार-संहिताओं का अनकहा विधान भी तय करती है। लेकिन समय के साथ सवाल यह उठने लगा है कि क्या यह चौपालें लोकतंत्र की संवैधानिकता से ऊपर होती जा रही हैं? हरियाणा के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में चौपाल महज़ एक बैठने की जगह नहीं, बल्कि एक परंपरा, एक सत्ता संरचना, और एक अनौपचारिक न्याय प्रणाली रही है। पीपल के पेड़ के नीचे या पक्के चबूतरे पर बैठकर जब गाँव के बुज़ुर्ग चर्चा करते हैं, तो उसे आम भाषा में चौपाल कहा जाता है। पर यह चौपाल सिर्फ बतकही तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक दिशा तय करने वाली संस्था बन गई है। लेकिन आज सवाल यह है कि क्या यह वर्चस्व सकारात्मक है या फिर यह लोकतांत्रिक और न्यायपूर्ण समाज के रास्ते में रोड़ा बन रहा है? हरियाणा में जब पंचायतें पूरी तरह विकसित नहीं हुई थीं,

तब चौपालों का महत्व और अधिक था। गाँव का कोई भी मामला ङ्क ज़मीन का झगड़ा हो, विवाह संबंध तय करना हो या किसी के बहिष्कार का निर्णय ङ्क सब चौपाल में होता था। यह स्थानीय स्वशासन का प्रतीक था, जो सामूहिक संवाद के सिद्धांत पर टिका था। लेकिन जैसे-जैसे समय बदला, लोकतंत्र की संस्थाएं, पंचायत चुनाव, पुलिस-प्रशासन और अदालतें सशक्त हुईं, वैसे-वैसे चौपालों की भूमिका को भी बदल जाना चाहिए था।

परंतु हरियाणा में आज भी चौपालें सामाजिक फैसलों की अनौपचारिक अदालत बनी हुई हैं।

चौपाल बनाम संविधान– एक टकराव

भारत का संविधान हर नागरिक को समान अधिकार देता है ङ्क जाति, लिंग, धर्म या वर्ग के आधार पर भेदभाव की मनाही है। वहीं चौपालों में अक्सर फैसले जातिगत पदानुक्रम पर आधारित होते हैं। जैसे कि– इस जाति के लड़के को उस जाति की लड़की से शादी नहीं करनी चाहिए। उसने पंचायत के बिना शादी की है, इसलिए उसका बहिष्कार होगा। ये निर्णय संविधान की मूल भावना के विरुद्ध हैं। खासकर महिलाओं और दलितों को चौपाल में बोलने का अवसर कम ही मिलता है। अधिकतर मामलों में चौपालें पितृसत्ता और जातिवाद का किला बन जाती हैं।

चौपालें कभी-कभी ऐसे सामाजिक नियंत्रण की भूमिका निभाती हैं जो कानून से पहले कार्रवाई करता है। उदाहरण के तौर पर, जब कोई लड़की मोबाइल फोन इस्तेमाल करती है, तो चौपाल का फैसला आता है ङ्क मोबाइल पर प्रतिबंध लगाओ। या फिर लव मैरिज करने वालों को गाँव से निकाल दो। ऐसे फैसले सामाजिक शोषण की श्रेणी में आते हैं। आज भी हरियाणा में ऑनर किलिंग की घटनाएं सामने आती हैं, जिनकी जड़ें चौपाल के फैसलों में होती हैं। इस वर्चस्व का मूलभूत कारण यह है कि चौपालें अक्सर बुज़ुर्ग पुरुषों के एकाधिकार में होती हैं, जहाँ युवा, महिलाएं या सामाजिक रूप से हाशिए पर खड़े लोग आवाज़ नहीं उठा सकते।

मन्दिरों में बन्द हो वीआईपी दर्शन

ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में पैसे लेकर दर्शन कराने वाले बाउंसरों की गिरतारी के बाद श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में सुगम दर्शन के नाम पर एक साथ इक्कीस लोगों की गिरतारी जहां मंदिर प्रशासन की व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह है, वही ईश्वर के दरबार में पांव फैला रहा भ्रष्टाचार गहन चिन्ताजनक एवं शर्मनाक हैं। कुछ ही दिनों पहले ओंकारेश्वर स्थित ममलेश्वर मंदिर में भक्तों से वीआइपी दर्शन के नाम पर अवैध वसूली करने पर प्रशासन ने एक होमगार्ड जवान और दो पंडितों पर कार्रवाई की है। देश-विदेश के भक्त अगाध श्रद्धा से अपने आराध्य का दर्शन करने आते हैं, लेकिन देश के प्रमुख मन्दिरों में सीधे दर्शन कराने के नाम पर पैसों की लूट मची है या वीआईपी संस्कृति के नाम पर त्रासद एवं भेदभावपूर्ण स्थितियां पसरी है।

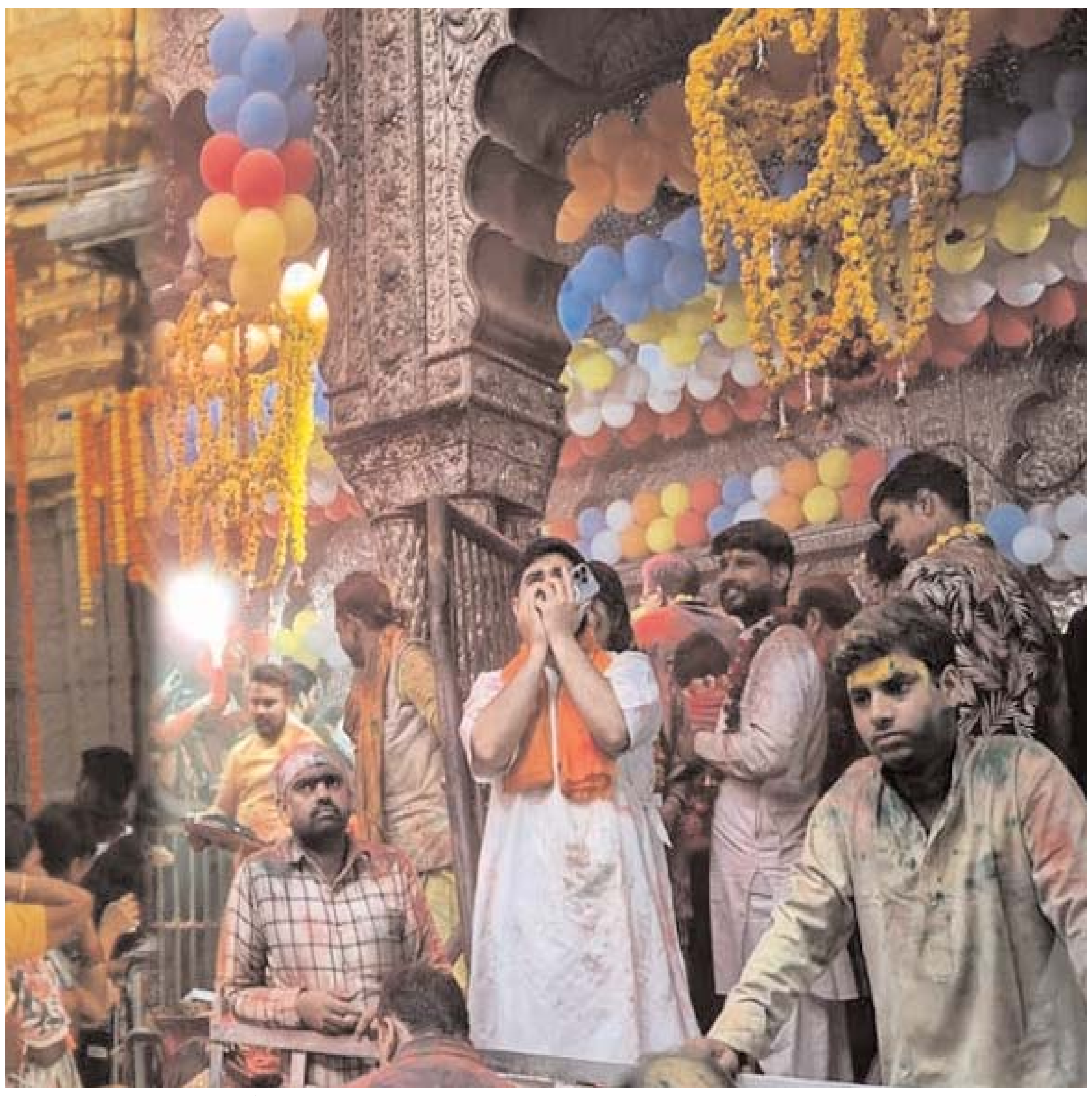

सवाल यह पूछा जा रहा है कि हिंदुओं के धार्मिक स्थलों और आयोजनों में क्यों भक्तों के बीच भेदभाव होता है? मन्दिरों में गरीब एवं अमीर के बीच भेदभाव की स्थितियां खुला भ्रष्टाचार ही है। पैसे लेकर एवं वीआईपी दर्शन की अवधारणा भक्ति एवं आस्था के खिलाफ है। यह एक असमानता का उदाहरण है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी आघात करती है। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में तो त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था भी है। मंदिर का चप्पा-चप्पा सीसीटीवी कैमरे की पहुंच में है। यह मन्दिर सुरक्षा कारणों से अतिसंवेदनशील स्थल होने के बावजूद ऐसा कृत्य खेदजनक ही नहीं, आपत्तिजनक भी है। मंदिर प्रबंधन को चाहिए कि दर्शन की प्रचलित व्यवस्था को और सुगम, भ्रष्टाचार व दोषरहित बनाए ताकि व्यवस्था में कोई सेंध न लगे और जन-आस्था आहत न हो।

श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में तो सुगम दर्शन का शुल्क भी जमा कराया जाता है पर ठगों की जमात ने शीघ्र दर्शन के नाम पर कमाई का नया रास्ता तलाश लिया। मंदिर प्रबंधन को चाहिए कि वह सुगम दर्शन व्यवस्था के नाम पर हो रही धांधली को गंभीरता से ले। फर्जी पंडा, गाइड बनकर लोगों को झांसे में लेने वाले लोग अचानक एक दिन में डेरा नहीं जमाए होंगे। यह सब काफी समय से चल रहा होगा। इस प्रकार की ठगी करने की संभावना कैसे बन जाती है, इसकी जांच होनी चाहिए। बात केवल ठाकुर बांके बिहारी मंदिर या श्रीकाशी विश्वनाथ धाम की ही नहीं है, बल्कि देश के प्रमुख मन्दिरों में बढ़ती जन-आस्था की भीड़ एवं लम्बी-लम्बी लाइनों के बीच पैसे लेकर या वीआईपी दर्शन कराने की त्रासद एवं विसंगतिपूर्ण स्थितियों की हैं, जिसने न केवल देश के आम आदमी के मन को आहत किया है, बल्कि भारत के समानता के सिद्धान्त की भी धज्जियां उड़ा दी है। कुछ विशेष लोगों को मिलने वाले वीआईपी सम्मान एवं सुविधा पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है।

बांके बिहारी मंदिर में एक बार फिर वीआईपी कल्चर का खेल सामने आया है। मंदिर की भीड़ से हटकर वीआईपी दर्शन कराने के नाम पर एक निजी सुरक्षा एजेंसी ने बाउंसर उपलब्ध कराकर पैसे कमाने का गोरखधंधा शुरू कर दिया था। एजेंसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे फेसबुक और इंस्टाग्राम पर प्रचार कर यह दावा किया कि वे श्रद्धालुओं को भीड़ से बचाकर विशेष वीआईपी दर्शन कराने में मदद कर सकते हैं। यह तो घोषित गैरकानूनी व्यवस्था है, लेकिन अन्य प्रमुख मन्दिरों में भी मन्दिर से जुड़े लोग या अन्य ठग पैसे लेकर दर्शन कराते हैं। सबसे ज्यादा दुखद एवं विडम्बनापूर्ण है वीआईपी दर्शन का प्रचलन। प्रश्न है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पहले ही कार्यकाल के दौरान वीआईपी कल्चर को खत्म करते हुए लालबत्ती एवं ऐसी अनेक वीआईपी सुविधाओं को समाप्त कर दिया था तो मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों की वीआईवी संस्कृति को क्यों नहीं समाप्त किया? क्यों मन्दिरों में वीआईपी दर्शन के लिये सरकार ने अलग से व्यवस्थाएं की। दरअसल, वीआईपी संस्कृति का दायरा बहुत व्यापक है। यह धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है। लोकतंत्र से लेकर आस्था तक, कई मौकों पर कुछ खास लोगों को विशेष सुविधाएं दी जाती हैं। लोकतंत्र का मूल सिद्धांत कहता है कि सभी नागरिक समान हैं, फिर भी व्यवहार में कुछ लोग 'विशेष' बन जाते हैं, चाहे वे सड़क पर हों, सरकारी दफ्तरों में, अस्पतालों में या मंदिरों में! इसी तरह, बड़े नेताओं और अधिकारियों के लिये मन्दिरों में सीधे दर्शन कराने की व्यवस्थाएं हैं, जिससे लम्बी कतारे और लम्बे समय का इंतजार करती है। ऐसी व्यवस्था से मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों में हादसें भी होते हुए देखे गये हैं। इन वीआईपी के लिए अक्सर यातायात रोक दिया जाता है, जिससे आम जनता घंटों जाम में फंसी रहती है। अस्पतालों में वीआईपी वार्ड हैं, जबकि आम मरीजों को बिस्तर भी नहीं मिल पाता। एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशनों पर वीआईपी यात्रियों को विशेष सुविधाएं मिलती हैं, जबकि आम लोग लंबी कतारों में खड़े रहते हैं। वीआईपी संस्कृति एक नासूर बन गई है। यही कारण है कि हर सरकार वीआईपी संस्कृति को खत्म करने का वादा करती है, लेकिन हकीकत में इसे बनाए रखने के नए-नए तरीके खोजे जाते हैं।

वीआईपी कल्चर एवं पैसे लेकर दर्शन कराने की धांधली ने एक बार फिर से नये सिरे से बहस छेड़ दी है। सवाल उठ रहा है कि जब गुरुद्वारे में वीआईपी दर्शन नहीं, मस्जिद में वीआईपी नमाज नहीं, चर्च में वीआईपी प्रार्थना नहीं होती है तो सिर्फ हिन्दू मंदिरों में कुछ प्रमुख लोगों के लिए वीआईपी या पैसे लेकर दर्शन क्यों है? क्या इस पद्धति को खत्म नहीं किया जाना चाहिए, जो हिंदुओं में दूरिया पैदा करता है? प्रसिद्ध मन्दिरों में वीआईपी पास एवं दर्शन की व्यवस्था समाप्त क्यों नहीं होती? यह व्यवस्था समाप्त होना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने ही धार्मिक स्थलों पर होने वाली वीआईपी व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किये हैं। निश्चित ही जब किसी को वरीयता दी जाती है और प्राथमिकता दी जाती है तो उसे वीवीआईपी या वीआईपी कहते हैं। यह समानता की अवधारणा को कमतर आंकना है। वीआईपी संस्कृति एक पथभ्रष्टता है, यह एक अतिक्रमण है, यह मानवाधिकारों का हनन है। समानता के नजरिए से देखा जाए तो समाज में इसका कोई स्थान नहीं होना चाहिए, धार्मिक स्थलों एवं मन्दिरों में तो बिल्कुल भी नहीं।

न्यायालय भी देश में बढ़ती वीआईपी संस्कृति को लेकर चिन्तीत है। मद्रास उच्च न्यायालय की मुदुरै पीठ ने अपनी एक सुनवाई के दौरान कहा भी है कि लोग वीआईपी संस्कृति से 'हताश' हो गए हैं, खासतौर पर मंदिरों में। इसके साथ ही अदालत ने तमिलनाडु के प्रसिद्ध मंदिरों में विशेष दर्शन के संबंध में कई दिशा निर्देश जारी किए।

बदलते दौर में अनिवार्यता बनती साइकिल

एक समय ऐसा था, जब लोग मीलों दूर का सफर भी पैदल अथवा बैलगाड़ियों के माध्यम से कई-कई दिनों में पूरा किया करते थे। साइकिल के आविष्कार ने लोगों की दुनिया ही बदल डाली, जिसने लोगों के लिए मीलों दूर का सफर भी आसान बना दिया था। कुछ दशक पूर्व तो बहुत से छात्र स्कूल तक पहुंचने के लिए भी मीलों दूर का सफर साइकिल से ही तय किया करते थे। हालांकि वह ऐसा दौर था, जब साइकिल को आमतौर पर निर्धनता का प्रतीक समझा जाता था और साइकिल को गरीब तथा मध्यम वर्ग के यातायात का ही अहम हिस्सा माना जाता था। तब खासकर मजदूर वर्ग के लोग, दूध वाले, स्कूल जाने वाले छात्र इत्यादि ही साइकिल पर दिखते थे। साइकिल की कीमत तब ज्यादा नहीं होती थी और प्रायः एक ही जैसी साइकिलें बाजार में मिलती थी लेकिन समय के साथ बदलती तकनीक के दौर में साइकिलें भी हाईटैक होती गई और आज बाजार में कुछ हजार से लेकर लाखों रुपये तक की साइकिलें उपलब्ध हैं।

समय के साथ साइकिल की उपयोगिता और महत्व भी बदलता गया है और आज के आधुनिक दौर में साइकिलें अधिकांशतः व्यायाम अथवा शारीरिक फिटनेस के तौर पर प्रयोग की जाती हैं। आज के ज़माने में लोग घंटों साइकिल चालकर इससे सेहत और वातावरण को पहुंचने वाले फायदों के बारे में जागरुकता फैलाते हैं। हालांकि यूरोप, डेनमार्क, नीदरलैंड इत्यादि दुनिया के कई हिस्से आज भी ऐसे हैं, जहां साइकिल के जरिये ही एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाया जाता है। साइकिल का दौर 1960 से लेकर 1990 के बीच काफी अच्छा चला लेकिन उसके बाद समय बदलता गया और साइकिल का चलन भी कम होता गया। बीते कुछ वर्षों में पर्यावण की महत्ता और साइकिल चलाने से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी लाभ को देखते हुए लोग साइकिल की ओर आकर्षित हुए हैं और यही कारण है कि अब केवल भारत ही नहीं बल्कि जापान, इंग्लैंड सहित कई विकसित देशों में भी साइकिलों का उपयोग बढ़ रहा है। भारत का साइकिल उद्योग आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है और भारत साइकिल का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता देश है।

साइकिल पर्यावरण के लिए यातायात का सबसे उत्तम साधन है क्योंकि इसके उपयोग से डीजल-पैट्रोल का दोहन कम होने के साथ ही प्रदूषण स्तर भी कम होता है, साथ ही शरीर को स्वस्थ रखने में भी साइकिल महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। साइकिल चलाने से न केवल पर्यावरण सुरक्षा को बढ़ावा मिलता है बल्कि यह व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक विकास में भी सहायक होता है। यही कारण है कि साइकिल की विविधता, मौलिकता और परिवहन के एक व्यापक और सहज साधन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 3 जून को 'विश्व साइकिल दिवस' मनाया जाता है। अप्रैल 2018 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने हर साल 3 जून को यह दिवस मनाने की घोषणा साइकिल सवारी से मिलने वाले स्वास्थ्य, पर्यावरण और आवागमन के लिए सबसे सस्ता साधन इत्यादि को देखते हुए की थी।

दरअसल साइकिल का महत्व धीरे-धीरे घटता जा रहा था, तकनीक के विकास के साथ ही पैट्रोल-डीजल इत्यादि से चलने वाली गाड़ियों का उपयोग बढ़ने लगा और लोगों ने समय की बचत तथा सुविधा के लिए साइकिल चलाना बेहद कम कर दिया। इसीलिए साइकिल के उपयोग और जरूरत के बारे में बच्चों और अन्य लोगों को

जागरूक करने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व साइकिल दिवस मनाने की जरूरत महसूस की गई। संयुक्त राष्ट्र संघ ने पर्यावरण सुरक्षा को भी साइकिल चलन को बढ़ावा देने का अहम उद्देश्य माना है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार साइकिल दिवस मानव प्रगति, उन्नति, स्थिरता, सामाजिक समावेश और शांति की संस्कृति के प्रतीक के रूप मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत को लेकर अमेरिका के मोंटगोमरी कॉलेज के प्रोफेसर लेसजेक सिबिल्स्की ने एक अभियान चलाया था, जिसका समर्थन तुर्कमेनिस्तान और 56 अन्य देशों ने किया था। सिबिल्सकी ने ही साइकिल दिवस मनाए जाने का प्रस्ताव दिया था, जिसके बाद सिबिल्सकी और उनके साथियों द्वारा उसका प्रचार-प्रसार किया गया।

साइकिल यातायात का ऐसा साधन है, जो वायु प्रदूषण को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि इसे चलाने के लिए पैट्रोल, डीजल या सीएनजी जैसे किसी ईंधन की जरूरत नहीं पड़ती। साइकिल चलाने से अच्छा व्यायाम हो जाता है, जिससे वजन कम करने से लेकर मांसपेशियों को मजबूती मिलती है। साइकिल चलाना एक प्रकार की एरोबिक एक्सरसाइज है, जिससे शरीर को चुस्त-दुरूस्त रखने, पतला होने और मांसपेशियों को टोन करने में मदद मिलती है। विशेषज्ञों के अनुसार नियमित साइकिल चलाने वाले व्यक्ति को कैंसर, हृदय रोग, मधुमेह जैसी भयानक बीमारियों का जोखिम कम होता है और यदि कोई व्यक्ति प्रकृति के करीब साइकिल चलाता है तो यह उसे तरोताजा रखने के साथ-साथ उच्च रक्तचाप जैसी समस्या को भी दूर रखने में मददगार है। साइकिल चलाने से मूड अच्छा होने में भी मदद मिलती है। कई अध्ययनों में यह तथ्य सामने आया है कि प्रतिदिन आधा घंटा साइकिल चलाने से ही हम मोटापा, हृदय रोग, मानसिक बीमारी, मधुमेह, गठिया इत्यादि कई बीमारियों से बच सकते हैं। चिकित्सकों के मुताबिक उम्र बढ़ने के साथ घुटनों की समस्या नहीं हो, इसके लिए प्रतिदिन साइकलिंग करनी चाहिए, जिससे जोड़ों में किसी प्रकार का दर्द नहीं होगा।

साइकिल चलाने से न केवल रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है बल्कि मस्तिष्क अधिक सक्रिय रहता है, ब्रेन पावर बढ़ती है। विशेषज्ञों का मानना है कि साइकिल चलाने से 15 से 20 प्रतिशत अधिक दिमाग सक्रिय होता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक साइकलिंग करने से इम्यून सिस्टम तो अच्छा होता ही है, साथ ही इम्यून सेल्स भी एक्टिव हो जाते हैं, जिससे विभिन्न बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।

पति ने बहनोई के साथ अवैध-संबंध का लगाया आरोप, पत्नी बोली-चरित्रहीनता का ब्लेम गलत, अपील खारिज

हाईकोर्ट बोला-पत्नी के कैरेक्टर पर शक क्रूरता जैसा

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर हाईकोर्ट ने पति-पत्नी के पारिवारिक विवाद और तलाक को लेकर दायर याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि, सबूत के बिना पत्नी की चरित्र पर आरोप लगाना उसके साथ क्रूरता है। जस्टिस रजनी दुबे और जस्टिस सचिन सिंह राजपूत ने पति की अपील को खारिज कर फैमिली कोर्ट के आदेश को सही ठहराया है।

दरअसल, रायगढ़ जिले में रहने वाले युवक और ओडिशा के सुंदरगढ़ की युवती के साथ 24 जून 2012 में हिंदू रीति-रिवाज के साथ शादी हुई थी। उनके दो बच्चे है, जिनमें एक बेटी और एक बेटा हैं। अभी दोनों बच्चे पत्नी के साथ रह रहे हैं।

विवाह के 4-5 साल तक पति-पत्नी के बीच संबंध अच्छा नहीं रहा। इस बीच 2018 में पत्नी दोनों बच्चों को लेकर अपने मायके चली गई। इसके बाद पति ने परिवार न्यायालय में तलाक के लिए आवेदन पेश किया। जिसमें कहा कि, दूसरे बच्चे के जन्म के बाद पत्नी का व्यवहार उपेक्षापूर्ण और अपमानजनक हो गया।

वो पति और उसके परिवार को बिना बताए घर से बाहर जाने लगी। पति उसे हर बार समझाता रहा, लेकिन इसका उस पर कोई असर नहीं हुआ। वह ज्यादातर समय घर से बाहर ही बिताने लगी।

पति ने पत्नी पर बहनाई के साथ अवैध संबंध का लगाया आरोप

तलाक आवेदन में पति ने अपनी पत्नी की चरित्र पर शक करते हुए अवैध संबंध के आरोप लगाए। उसने बताया कि पत्नी उसकी अनुपस्थिति में दामाद (बहनोई) को रात में बुलाती थी। उसके साथ समय बिताती थी। जिसका विरोध करने पर वो कहती थी कि, पति के पास टाइम नहीं है, इसलिए उसे बुलाती है। उसके साथ कोई गलत संबंध नहीं है।

इस दौरान 31 अगस्त 2018 को उसकी पत्नी अपने पुरुष मित्र को बुलाकर दोनों बच्चों को लेकर उसके साथ चली गई। घर से जाने के बाद वह तलाक के लिए दबाव बनाने लगी। जिस पर पति ने थाने में रिपोर्ट भी लिखाई थी। इस स्थिति में पति के पास उसे तलाक देने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

पत्नी ने आरोपों को बताया गलत, दहेज के लिए प्रताड़ित करता था पति

इधर, पत्नी ने अपना पक्ष रखते हुए कोर्ट को बताया कि, विवाह के कुछ महीनों बाद पति और उसके परिवार के सदस्य उसके साथ क्रूरतापूर्वक दुर्व्यवहार करते थे। उसके साथ मारपीट करते थे। मायके से नकदी, सोना, चांदी आदि लाने के लिए दबाव बनाते थे। महिला ने पति के लगाए गए आरोपों को निराधार और गलत बताया और कहा कि वह घर से कभी किसी के साथ अकेली बाहर नहीं गई।

उसने कभी भी अपनी ननंद के पति से गलत बात नहीं की। वह खुद से मायके भी नहीं गई। बल्कि, पति और ससुरालवालों ने धोखा देकर उसे मायके में छोड़ दिया। दोनों पक्षों को सुनने के बाद परिवार न्यायालय ने पति की तलाक की अर्जी को खारिज कर दिया।

हाईकोर्ट में फैमिली कोर्ट के आदेश को दी चुनौती

फैमिली कोर्ट से तलाक की अर्जी खारिज होने के बाद पति ने हाईकोर्ट में अपील की। इसमें बताया कि, पत्नी नए पुरुषों के साथ रह रही है और गलत संगत में पड़ रही है। इसलिए इस बात की प्रबल संभावना है कि इसका बच्चों पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। इन परिस्थितियों में उसकी अपील को स्वीकार कर उसके पक्ष में तलाक का आदेश पारित किया जाए। साथ ही दोनों बच्चों को पिता को देने का आदेश दिया जाए।

हाईकोर्ट बोला- पत्नी की चरित्र पर आरोप लगाना क्रूरता के समान

पति की अपील पर दोनों पक्षों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि, पति ने पत्नी पर व्यभिचार का आरोप लगाया है। जिसका कोई साक्ष्य नहीं है। आरोपों पर उनके बीच मोबाइल पर बातचीत को छोड़कर कोई भी इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य अभिलेख पर उपलब्ध नहीं है। यह भी आरोप लगाया गया है कि देवर घर पर आता-जाता रहता है। इस बात का स्पष्ट प्रमाण नहीं है कि उनका विवाह के बाहर कोई संबंध है। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि पत्नी व्यभिचारी जीवन जी रही है। पति ने अपने बहनोई के समक्ष पत्नी की पवित्रता पर आरोप लगाया है। पारिवारिक न्यायालय में आवेदन दाखिल करने से एक दिन पहले रिपोर्ट भी दर्ज कराया है। हाईकोर्ट ने कहा कि अगर पत्नी की चरित्र की पवित्रता पर आरोप लगाया जाता है, तो यह पति की तरफ से पत्नी के खिलाफ क्रूरता के समान है।

पति ने अपनी पत्नी के साथ क्रूरता की, जिस कारण उसकी पत्नी को अलग रहने का उचित कारण मिला। ऐसे में फैमिली कोर्ट के आदेश पर हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं है। जिसके बाद हाईकोर्ट ने पति की अपील को खारिज कर दी है।

शेफाली जरीवाला का रायपुर में डांस का आखिरी वीडियो

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रीमेक सॉन्ग कांटा लगा गाने से मशहूर हुईं एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला का 42 साल की उम्र में निधन हो गया। वो आखिरी बार अप्रैल 2024 में रायपुर आई थीं। सिंधी काउंसिल के चेट्रीचंड महोत्सव कार्यक्रम में शेफाली ने कांटा लगा सॉन्ग पर डांस किया।

इस दौरान मंच से शेफाली ने फैंस से पूछा था कि आपको कांटा लगा क्या, मुझे तो रायपुर के लोगों के प्यार का कांटा चुभ गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 27 जून की रात उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया, जिससे उनकी मौत हो गई। शेफाली की मौत के मामले में मुंबई पुलिस ने अपनी जांच शुरू कर दी है।

शेफाली जरीवाला के घर पर फोरेंसिक टीम पहुंची और सबूत जुटाए गए। कुछ मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने पति पराग त्यागी का बयान घर पर लिया। अब तक चार लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं। शेफाली के घर के कुक और मेड से भी पूछताछ हुई है। पुलिस सभी एंगल से जांच कर रही है।

वहीं, पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट अभी तक आई नहीं, पोस्टमॉर्टम हो चुका है और पार्थिव शरीर घर पर लाया जा चुका है। सूत्रों के मुताबिक, शेफाली मेडिटेशन पर थीं, लेकिन अभी तक खुलासा नहीं हुआ है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, शेफाली एंटी-एजिंग ट्रीटमेंट ले रही थीं। जवान दिखने के लिए शेफाली पिछले 5-6 सालों से ये इलाज करवा रही थी। शेफाली का इलाज कर रहे डॉक्टर ने बताया कि, शेफाली "एंटी एजिंग ट्रीटमेंट" ले रही थी। एंटी एजिंग का मतलब है, जवान दिखने के लिए किया जाने वाला इलाज।

डॉक्टर ने बताया है कि, शेफाली दो दवाइयां ले रही थी, मगर डॉक्टर ने दावा किया कि इस दवा का हार्ट से कोई संबंध नहीं है, ये दवाइयां स्किन फेयरनेस के लिए ली जाती हैं। इसका असर स्किन पर ही होता है।

अब शेफाली की मौत की असली वजह का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगा। क्या यह कार्डियक अरेस्ट था या इसके पीछे कोई और कारण है।

शेफाली ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि, वह किशोरावस्था से मिर्गी से पीड़ित थीं। उन्हें 15 साल की उम्र में पहली बार मिर्गी का दौरा पड़ा था। इलाज के दौरान उनका वजन काफी बढ़ गया था। इस वजह से शूटिंग और यात्रा जैसे कामों में उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। इससे करियर प्रभावित हुआ। काफी लंबे समय तक ट्रीटमेंट हुआ।

मुंबई पुलिस भी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। पुलिस देर रात से ही एक्ट्रेस के घर पर मौजूद है। शेफाली के पति पराग त्यागी समेत चार लोगों से पूछताछ कर चुकी है। पूछताछ किए गए लोगों में शेफाली के निजी कुक भी शामिल हैं। परिवार की ओर से इस संबंध में कोई औपचारिक बयान अब तक जारी नहीं किया गया है। पुलिस और फोरेंसिक टीम हर पहलू की जांच कर रही है। ताकि किसी संभावित साजिश या लापरवाही की गुंजाइश को खारिज या पुष्टि किया जा सके।

रायपुर में माधव राव सप्रे स्कूल के बाहर बच्चों के धर्मांतरण की कोशिश

महिलाएं बोली-चर्च जाओगे तो पढ़ाई में होशियार बनोगे... बीमारी दूर होगी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में माधव राव सप्रे स्कूल के बाहर बच्चों के धर्मांतरण की कोशिश की गई। आरोप है कि, तीन महिलाओं ने स्कूल के बाहर छुट्टी के बाद बच्चों को बरगलाने की कोशिश की। उन्होंने बच्चों से बातचीत करते हुए कहा कि, चर्च जाओगे तो पढ़ाई में होशियार बनोगे। सभी बीमारियां भी दूर होंगी।

इस दौरान बच्चों ने महिलाओं से बातचीत करने से मना किया तो महिलाओं ने हिंदू देवी देवताओं को अपमानित करना शुरू कर दिया। घटना की भनक लगते ही हिंदू संगठनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तीनों महिलाओं के खिलाफ परिवारद्धर दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

मामले में सप्रे स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों ने बताया कि, शनिवार को स्कूल से छुट्टी होने के बाद 9वीं-10वीं कक्षा के तीन-चार दोस्त बाहर निकले, तभी तीन महिलाएं ऑटो से उतरकर उनके पास आ गई। महिलाओं ने कहा कि वह ईसाई धर्म को मानती हैं, तुम लोग चर्च जाते हो की नहीं।

जब बच्चों ने कहा कि वह चर्च नहीं जाते हिंदू धर्म से हैं। तब महिलाओं ने उन्हें ईसाई धर्म में जुड़ने की बात कही। बच्चों ने जब मना किया तो महिलाएं उनका पीछा करने लगी। छात्रों के मुताबिक, महिलाओं का नाम ममता चौहान, नम्रता चौहान और विभा मसीह है।

पीड़ित छात्र ने बताया कि, महिलाओं ने कहा कि जो लोग चर्च जाते हैं, वो पढ़ाई में होशियार होते हैं। हिंदू धर्म मानने वाले लोग बीमार और परेशान रहते हैं। साथ ही ईसाई धर्म को जो अपनाता है, उसकी आर्थिक रूप से मदद करते हैं।

ऐसा कहते हुए वह लालच देने लगे। बच्चों का कहना है कि उन्हें अपने देवी देवताओं को छोटा बताने से अपमानित महसूस हुआ है। मामले में बच्चों ने अपने परिवार के लोगों को बात बताई। इसके बाद बड़ी संख्या में बजरंग दल के कार्यकर्ता पुलिस थाने पहुंच गए।

बजरंग दल के कार्यकर्ता पंकज ने बताया कि उन्होंने महिलाओं को रोकने की कोशिश की, लेकिन वह बहसबाजी करने लगी। इसके बाद महिला पुलिस की मदद से महिलाओं को थाने लाया गया। फिलहाल, मामले में आगे की जांच जारी है।

भगवान जगन्नाथ की यात्रा : संवेदना के रथ पर सवार एक सांस्कृतिक आंदोलन

लेखक
डॉ. मनमोहन प्रकाश

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा न केवल धार्मिक उत्सव है, बल्कि एक जीवंत सामाजिक-सांस्कृतिक आंदोलन भी है, जो हर वर्ष यह याद दिलाने आता है कि संवेदना, सहयोग और समरसता ही किसी भी समाज की आधारशिला हैं। जब भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ मंदिर से बाहर नगर भ्रमण पर निकलते हैं, तो यह केवल एक धार्मिक शोभायात्रा नहीं होती – यह एक संदेश होता है कि ईश्वर का स्थान केवल मंदिरों में नहीं, बल्कि जन-जन के अंतर्मन में है।

यह यात्रा हमें सिखाती है कि सच्चे संबंध रक्त से नहीं, बल्कि आत्मीयता, विश्वास और संवेदना से बनते हैं। सालबेग जैसे मुस्लिम भक्त की समाधि पर भगवान का रथ रुकना धार्मिक एकता, समरसता और स्वीकार्यता का प्रतीक है। इस घटना से यह स्पष्ट होता है कि ईश्वर किसी एक पंथ, जाति या धर्म के सीमित दायरे में नहीं बंधा है।

जगन्नाथ का रथ किसी मशीन या चालक द्वारा नहीं चलता, यह रथ खिंचता है हजारों हाथों से - मिलजुल कर, प्रेम और आस्था से। यह वह पल होता है जब कोई वर्ग भेद, जातिगत पहचान या सामाजिक पदवी अर्थहीन हो जाती है। केवल समवेत प्रयास, परस्पर सहयोग और मानवता का बल शेष रहता है। यही संवेदना-आधारित समरसता रथ को गति देती है, और यही उसे एक सांस्कृतिक आंदोलन बना देती है।

आज के युग में जब परिवारों में विघटन, संबंधों में स्वार्थ और समाज में वैमनस्य बढ़ता जा रहा है – ऐसे समय में भगवान की यह यात्रा हमें फिर से जोड़ने, सहेजने और समझने की प्रेरणा देती है। रिश्तों का पुनर्निमाण केवल उपदेशों से नहीं, संवेदनशील आचरण से ही संभव है। रथयात्रा यही कर रही है – एक सजीव स्मरण कराना कि सच्चे समाज की नींव सह-अस्तित्व, सहयोग और सेवा है।

कोविड-19 जैसी महामारी के दौर में जब हर कोई अपनी जान बचाने में लगा था, तभी कई लोग ऐसे भी थे जिन्होंने अपने को पीछे रखकर दूसरों की जान बचाई। यह वही संवेदना का रथ था जो बिना शोर के, बिना मंदिर के घंटे बजाए, समाज में चल रहा था।

भगवान जगन्नाथ की यात्रा इस बात का प्रतीक है कि हमारी संस्कृति केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है – वह मनुष्यता के उत्सव में भी जीवित है। यह यात्रा एक प्रेरणा है – कि समाज और राष्ट्र के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया में हर व्यक्ति का योगदान आवश्यक है। यह केवल एक रथ यात्रा नहीं, बल्कि वह आंदोलन है जो संस्कृति को गतिशील बनाए रखने के लिए बार-बार लौटता है, और हमसे कहता है –"चलो, फिर से साथ चलें – संवेदना की डोरी से बंधे हुए, समरसता की दिशा में।"

रीवा/सतना की खबरें

चोरहटा में दो अवैध कॉलोनियों पर चला नगर निगम का बुलडोजर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार अवैध कॉलोनी विकास पर रोक लगाने की दिशा में नगर निगम द्वारा सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में जोन क्रमांक 01अंतर्गत चोरहटा क्षेत्र में दो अवैध कॉलोनियों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई।इस दौरान चार जेसीबी मशीनों से कॉलोनी में बनाई गई सड़कों को पूरी तरह उखाड़ा गया, प्रीकास्ट से निर्मित बाउंड्री को ध्वस्त किया गया और बिजली कनेक्शन भी काट दिए गए। इस कार्यपालन यंत्री श्री राजेश सिंह के नेतृत्व में यह कार्रवाई म.प्र. नगर पालिक अधिनियम 1956 में वर्णित धारा के अंतर्गत की गई। उल्लेखनीय है कि विंड ग्रुप अधिकृत श्री तौसीफ अहमद पिता श्री मो हनीफ को वार्ड 04 , ग्राम चोरहटा का खसरा नम्बर 765/2/1 के जुज रकवा 2.6752 हेक्टेयर तथा श्री रामनिवास सिंह एवं बसंत सिंह पिता श्री रामनाथ सिंह वगैरा वार्ड क्रमांक 04 चोरहटा के खसरा क्रमांक 799/1/1 जुज़ रकवा 0.5606 हेक्टेयर में निर्मित दोनों अवैध कॉलोनी पर स्वयं या प्रतिनिधि/वरिसानो द्वारा भूमि के छोटे छोटे भूखंडो मे विभक्त कर अवैध कालोनी का निर्माण किया गया था जिसे हटाये जाने की कार्यवाही की गई। पूर्व में जारी नोटिसों और चेतावनियों के बावजूद निर्माण न हटाए जाने पर यह कठोर कदम उठाया गया। निगम आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी इसी प्रकार की अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही, नागरिकों से अपील की गई है कि किसी भी प्लॉट या भूमि की खरीदी से पहले उसकी वैधता की जांच अवश्य करें। इस कार्रवाई के दौरान कार्यपालन यंत्री श्री राजेश सिंह, सहायक यंत्री श्री राजेश मिश्रा, उपयंत्री श्री श्याम सुंदर मिश्रा, श्री हरेराम मिश्रा, श्री सुनील मिश्रा, अतिक्रमण प्रभारी श्री रावेंद्र शुक्ला तथा नगर निगम के अन्य कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

सतना में 152.6 मिमी औसत वर्षा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में 1 जून से 28 जून 2025 तक 152.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई। अधीक्षक भू-अभिलेख के अनुसार, सतना (रघुराजनगर) में 325.1 मिमी, सोहावल में 94.5 मिमी, बरौंधा (मझगवां) में 104 मिमी, बिरसिंहपुर में 85.2 मिमी, रामपुर बघेलान में 61 मिमी, नागौद में 278.1 मिमी, जसो (नागौद) में 47.6 मिमी और उचेहरा में 225.5 मिमी वर्षा दर्ज हुई। जिले की सामान्य औसत वर्षा 891.7 मिमी है, जबकि पिछले वर्ष इस अवधि में 47.8 मिमी वर्षा हुई थी।

जिला सतर्कता समिति की बैठक 30 को

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार अधिनियम 1989 और संशोधित नियम 2016 के तहत जिला सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक 30 जून 2025 को सायं 5 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार की अध्यक्षता में होगी। जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण ने बताया कि बैठक में अधिनियम के उपबंधों, प्रकरणों की स्वीकृति, भुगतान, अधिकारियों की भूमिका, विशेष न्यायालय में विचाराधीन और निराकृत मामलों, पुलिस में दर्ज प्रकरणों और लंबित अनुसंधानों पर चर्चा होगी।

876 चिकित्सकों की पदस्थापना, उप मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि सरकार का लक्ष्य हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। इसके तहत 876 बंधपत्रधारी स्नातकोत्तर चिकित्सकों की पदस्थापना की गई है। उप मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों से कर्तव्यनिष्ठा और संवेदनशीलता के साथ दायित्व निभाने की अपेक्षा की। यह पदस्थापनाएं स्नातकोत्तर प्रवेश के समय प्रस्तुत अनिवार्य सेवा बंधपत्र के आधार पर की गई हैं।

मऊगंज जिले में अब तक 253.1 मिलीमीटर वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले में मानसून का जोर कायम है। जिले में एक जून से अब तक 253.1 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। जिले में 28 जून को 49.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। इस दिन तहसील मऊगंज में 46 मिलीमीटर, हनुमना में 68.2 मिलीमीटर तथा नईगढ़ी में 34 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। इस संबंध में अधीक्षक भू अभिलेख ने बताया कि एक जून से अब तक तहसील मऊगंज में 172.6 मिलीमीटर, हनुमना में 293.3 मिलीमीटर तथा नईगढ़ी में 293.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। जिले में गत वर्ष इसी अवधि में 31.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले की सामान्य औसत वार्षिक वर्षा 1044.6 मिलीमीटर है।

राजा रघुवंशी हत्याकांड के सतना से जुड़ रहे तार!, क्या राजा को गोली मारने का था प्लान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में जांच टीम लगातार खुलासे कर रही है। इसी बीच पिस्टल सामने आ गई। ऑपरेशन हनीमून के नाम से जाना जा रहा मेघालय के शिलांग में राजा रघुवंशी हत्याकांड की साजिश में पिस्टल भी एक अंहम पहलू सामने आ रहा है। पिस्टल मिलने के बाद यह चर्चा तेजी से हो रही है कि क्या राजा रघुवंशी को गोली मारने का प्लान था।

शादी के 2 माह पहले खरीदी थी पिस्टल: राजा रघुवंशी हत्याकांड में लगातार सनसनीखेज खुलासों के बीच जांच में पता चला है कि सोनम रघुवंशी ने अपने प्रेमी राज कुशवाहा के साथ मिलकर अपने पति राजा की हत्या की साजिश रची थी। राज कुशवाहा ने विशेष जांच दल (एसआईटी) के सामने कबूल किया कि उसने सतना, मध्य प्रदेश से पिस्तौल खरीदी थी। राजा को मारने की योजना में पिस्तौल का इस्तेमाल किया जाना था, हांलाकि इसकी आधिकारिक रूप से पुष्टि अभी नही की गई है, लेकिन जा खबरें आ रही है उसके तहत सोनम ने राजा से सगाई के तुरंत बाद ही उन्हें रास्ते से हटाने की साजिश शुरू कर दी थी। इस साजिश में गोली मारने की योजना थी, जिसके लिए हथियार की व्यवस्था की गई थी। एसआईटी ने यह जानकारी इंदौर की अपराध शाखा (क्राइम ब्रांच) के साथ भी साझा की है।

'प्रदेश के औद्योगिक विकास का कारवां रूकेगा नहीं, बल्कि अब और तेज गति से आगे बढ़ेगा'

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश के साथ-साथ अब मध्यप्रदेश भी बदल रहा है। यहां विकास के सभी क्षेत्रों में नवाचार हो रहे हैं। हर क्षेत्र में निवेश का अच्छा माहौल बना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के औद्योगिक विकास का यह कारवां रूकेगा नहीं, बल्कि अब और तेज गति से आगे बढ़ेगा।

रतलाम पहले सेव, साड़ियों और सोने के लिए जाना जाता था लेकिन अब यही रतलाम स्किल, स्केल और स्टार्टअप्स के लिए जाना जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रतलाम की राइज कॉन्क्लेव में 30402 करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुये हैं, जिससे 35 हजार 520 रोजगार का सृजन होगा। रतलाम का एक गौरवशाली इतिहास रहा है। रतलाम की देश में केन्द्रीय स्थिति इसे और भी विशेष बनाती है। बहुत जल्द प्रदेश में एयर कार्गो के जरिए हवाई मार्ग से माल की आवाजाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य की बेहतरी और युवाओं को रोजगार देने के लिए हमारी सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी प्रदेश बनाने तक हमारी कोशिशें जारी रहेंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास के लिये जहां से भी हो सकेगा, वहां से निवेश लेकर आएंगे। उन्होंने कहा कि निवेशकों

को प्रोत्साहित करने के लिए वे 29 जून को सूरत में रोड-शो करने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को रतलाम में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट (राईस) कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत ग्रीन एनर्जी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पूर्व स्थापित एमएसएमई इकाइयों द्वारा यदि केवल नवकरणीय संयंत्र की स्थापना के लिये पृथक से निवेश किया जाता है तो इन इकाइयों को भी नवकरणीय ऊर्जा संयंत्र में किये गये निवेश पर उद्योग विकास अनुदान की सहायता दी जायेगी।

9 दिन तक भगवान जगन्नाथ अपनी मौसी के यहां गुंडीचा मंदिर में ठहरेंगे

अहमदाबाद/पुरी (एजेंसी)। पुरी में शुक्रवार को शाम 4 बजे भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा शुरू हो गई। सबसे पहले भगवान बलभद्र का रथ खींचा गया। इसके बाद सुभद्रा और जगन्नाथ के रथ खींचे गए। पहले दिन बलभद्र का रथ 200 मीटर तक खींचा गया, सुभद्रा-भगवान जगन्नाथ के रथ भी कुछ दूरी तक खींचे गए। यहां रथ यात्रा के दौरान एक एंबुलेंस फंस गई थी। जिसे निकालने के लिए ह्यूमन चेन बनाई गई। रथ यात्रा अब अगले दिन शुरू होगी, क्योंकि सूर्यास्त के बाद रथ नहीं खींचे जाते। यह रथ यात्रा कल यानी शनिवार को 3 किमी दूर गुंडीचा मंदिर पहुंचेंगी। इसके बाद 9 दिन तक भगवान जगन्नाथ अपनी मौसी के यहां गुंडीचा मंदिर में ठहरेंगे। उनके साथ सुभद्रा और बलभद्र भी रहेंगे। 5 जुलाई को भगवान वापस मुख्य मंदिर लौट आएंगे। उधर, अहमदाबाद में रथ यात्रा अभी जारी है। जगन्नाथ मंदिर तक रथ यात्रा रात करीब 9 बजे पहुंचने का अनुमान है। यहां गृह मंत्री अमित शाह ने सुबह 4 बजे मंगल आरती की। इसके बाद मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रथ यात्रा की शुरुआत की।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश-जांच टीम में यूएन अफसर शामिल नहीं होगा

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में 12 जून को हुए एअर इंडिया विमान क्रैश की जांच टीम में संयुक्त राष्ट्र (ह्) के अधिकारी को शामिल नहीं किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र की विमानन एजेंसी (इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गेनाइजेशन) ने भारत सरकार को अपने एक अधिकारी की मदद देने की पेशकश की थी। यह अधिकारी पहले से ही भारत में मौजूद था, लेकिन भारतीय अधिकारियों ने यह प्रस्ताव ठुकरा दिया। इंडिया टुडे ने रिपोर्ट्स के हवाले से ये खबर दी है। वहीं, हादसे के बाद प्लेन का ब्लैक बॉक्स के डेटा को रिकवर कर लिया गया है। गुरुवार को सरकार ने बताया कि इसका डेटा डाउनलोड हो गया है। अहमदाबाद में हादसे में 241 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि एक यात्री की जान बच गई थी। वहीं, इस घटना में कुल 270 लोग मारे गए थे।

तेजस्वी बोले- चुनाव से पहले क्यों बना रहे वोटर लिस्ट

पटना (एजेंसी)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को केंद्र और इलेक्शन कमिशन को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा- इलेक्शन कमीशन ने अचानक से कहा है कि जो वोटर लिस्ट बनी थी, उसे साइड कर दिया गया है। अब नई लिस्ट बनाई जाएगी, सवाल ये उठता है कि चुनाव से ठीक पहले आप वोटर लिस्ट क्यों बना रहे हैं। ये लोग चुनाव से पहले मतदाताओं की छंटनी करके सत्ता पक्ष को फायदा पहुंचाना चाहते हैं। क्या इतने कम दिनों में बिहार के सभी लोगों की वोटर लिस्ट बनेगा।

गुरुग्राम में होगा एक देश, एक विधायिका सम्मेलन

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने जानकारी दी है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला अगले महीने हरियाणा आ रहे हैं। वे 3 और 4 जुलाई को मानेसर में होने वाले एक बड़े सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे। इस सम्मेलन में देशभर से 500 से अधिक डेलीगेट्स शामिल होंगे। इसकी सफलता के लिए अब तक 12 बैठकें हो चुकी हैं। इसमें लोकसभा, विभिन्न विधानसभाएं और जनसंपर्क विभाग की भी सहभागिता है। सम्मेलन में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर भी मौजूद रहेंगे।

आरएसएस-बीजेपी को संविधान नहीं, मनुस्मृति चाहिए : राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा- आरएसएस और भाजपा को संविधान नहीं, मनुस्मृति चाहिए। संविधान इन्हें चुभता है क्योंकि वो समानता, धर्मनिरपेक्षता और न्याय की बात करता है। उन्होंने एक्स पोस्ट पर लिखा- ये बहुजनों और गरीबों से उनके अधिकार छीनकर उन्हें दोबारा गुलाम बनाना चाहते हैं। संविधान जैसा ताकतवर हथियार उनसे छीनना इनका असली एजेंडा है। राहुल ने यह बात आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले के उस बयान के बाद कही, जिसमें उन्होंने

कहा था- संविधान की प्रस्तावना में सोशलिस्ट और सेक्युलर शब्दों को लेकर देश में खुली बहस होनी चाहिए। होसबाले 26 जून को दिल्ली में आयोजित 'आपातकाल के 50 साल' कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा- मूल संविधान में सोशलिस्ट और सेक्युलर शब्द नहीं थे। इमरजेंसी के समय देश में संसद और न्यायपालिका दोनों काम नहीं कर रही थी। इस दौरान इन दो शब्दों को जोड़ दिया गया। ये शब्द रहें या नहीं, इस पर बहस होनी चाहिए। होसबाले ने कांग्रेस और राहुल गांधी का नाम लिए बिना भी इमरजेंसी को लेकर निशाना साधा।

कोलकाता के लॉ कालेज में छात्रा से गैंगरेप

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में लॉ कॉलेज की स्टूडेंट से गैंगरेप मामले के 3 आरोपियों को कोर्ट ने शुक्रवार को 10 जुलाई तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया। पुलिस ने 26 जून को 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी शुक्रवार सुबह हुई। घटना 25 जून को हुई थी। पुलिस के मुताबिक, वारदात कॉलेज के ग्राउंड फ्लोर के गार्ड रूम में हुई। आरोपियों में मोनोजीत मिश्रा (31), जैब अहमद (19) और प्रमित मुखर्जी (20) शामिल हैं। मोनोजीत मुख्य आरोपी है और कॉलेज का पूर्व छात्र है। बाकी के दो 2कॉलेज के छात्र हैं। भाजपा ने मोनोजीत के तृणमूल कांग्रेस के छात्र संगठन से जुड़े होने का दावा किया। टीएमसी

ने इसे माना, लेकिन कहा कि मोनोजीत सक्रिय सदस्य नहीं है। पीड़ित ने एफआईआर में लिखाया है कि मोनोजीत ने शादी का ऑफर दिया था, लेकिन मैंने मना कर दिया था। जब आरोपियों ने मुझे गार्ड रूम में बंद किया तब मैंने उनके पैर पकड़कर बाहर जाने का बोला था। पुलिस की एफआईआर के मुताबिक, घटना साउथ कोलकाता लॉ कॉलेज की है।

उद्धव-राज की संयुक्त रैली भाषा विवाद पर 5 जुलाई को

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में हिंदी भाषा को लेकर जारी विवाद के बीच उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे 5 जुलाई को मुंबई में संयुक्त रैली निकालेंगे। इससे पहले उद्धव ने 6 जुलाई और मनसे प्रमुख ने 7 जुलाई को रैली निकालने का ऐलान किया था। उधर, एनसीपी (शरद गुट) चीफ शरद पवार ने भी ठाकरे भाइयों को समर्थन दिया है। पवार ने कहा- महाराष्ट्र में कक्षा 1 से हिंदी अनिवार्य नहीं की जानी चाहिए। अगर कोई नई भाषा शुरू की जानी है तो उसे

कक्षा 5 के बाद ही शुरू किया जाना चाहिए। दरअसल, महाराष्ट्र सरकार ने इसी साल अप्रैल में हिंदी को तीसरी अनिवार्य भाषा बना दिया था। विरोध के बाद उन्होंने फैसले में बदलाव किया। कक्षा 1 से 5वीं तक पढ़ने वाले स्टूडेंट्स तीसरी भाषा के तौर पर हिंदी के अलावा भी दूसरी भारतीय भाषाएं चुन सकते हैं।

एससीओ जॉइंट स्टेटमेंट- राजनाथ का साइन नहीं, जयशंकर का समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (स्ष्टह्र) के संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार करने का समर्थन किया। जयशंकर ने बातचीत में कहा, एससीओ का एक देश चाहता था कि संयुक्त बयान में आतंकवाद का कोई जिक्र न हो। वो देश कौन है, आप अंदाजा लगा सकते हो। जबकि यह संगठन खुद आतंकवाद से लड़ने के उद्देश्य से बनाया गया था। जयशंकर ने कहा, भारत का यह कदम केवल एक कूटनीतिक विरोध नहीं था, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सिद्धांतों की रक्षा का प्रतीक था। आतंकवाद और शांति एक साथ नहीं चल सकते। जयशंकर बोले- एक परिवार राष्ट्र से ऊपर, तब इमरजेंसी लगी जयशंकर शुक्रवार को दिल्ली में भारतीय जनता युवा मोर्चा की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

इस दौरान उन्होंने आपातकाल को लेकर कांग्रेस पर भी निशाना साधा। जयशंकर ने कहा- यह सब एक परिवार की वजह से हुआ। किस्सा कुर्सी का नाम की एक फिल्म है, और ये तीन शब्द आपातकाल लागू करने के पीछे की वजह को बखूबी बताते हैं।

बारिश से केदारनाथ हाईवे पर लैंडस्लाइड

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में दिल्ली को छोड़कर सभी राज्यों में बारिश हो रही है। अब तक सामान्य से 12.3 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। 26 जून तक देश में सामान्य रूप से 134.3 मिमी होनी चाहिए थी, लेकिन 146.6 एमएम हो चुकी है।

उत्तराखंड में भारी बारिश के चलते केदारनाथ हाईवे एक बार फिर मुनकटिया इलाके में लैंडस्लाइड के कारण बंद हो गया है। रास्ते पर लगातार पत्थर और मलबा गिर रहा है। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर मौजूद हैं और यात्रियों को जंगल के वैकल्पिक रास्तों से सुरक्षित निकाल रही हैं। इस बीच देश में बारिश के चलते मौतों का आकड़ा भी बढ़ने लगा है। हिमाचल के कुल्लू जिले में बादल फटने से अब तक 5 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 7 से ज्यादा लापता हैं। बुधवार को कुल्लू के 5 जगह- जीवा नाला (सैंज), शिलागढ़ (गढ़सा) घाटी, स्त्रो गैलरी (मनाली), होरनगढ़ (बंजार), कांगड़ा और धर्मशाला के खनियारा में बादल फटे थे। वहीं, जम्मू-कश्मीर के राजौरी, पुंछ, डोडा और कठुआ जिलों में बादल फटने और तेज बारिश से आई बाढ़ में 2 बच्चों समेत 3 की मौत हो गई है। गुजरात के अहमदाबाद, सूरत और नवसारी जिलों में बीते 2 दिन से तेज बारिश का सिलसिला जारी है। सूरत के बाद अब अहमदाबाद में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। घरों में पानी भर गया है।

पंजाब में बब्बर खालसा के 3 गुर्गे गिरफ्तार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब पुलिस के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल, मोहाली ने पाकिस्तानी आईएसआई समर्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। यह मॉड्यूल यूके में बैठे निशान सिंह और पाकिस्तान में छिपे आतंकी हरविंदर रिंदा द्वारा चलाया जा रहा था। पुलिस ने एक किशोर समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 2 हैंड ग्रेनेड, 1 ग्लॉक पिस्तौल, और अन्य विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी अमृतसर में पुलिस ठिकानों पर हमला और टारगेट किलिंग की योजना बना रहे थे। इनकी गिरफ्तारी से एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया गया है और कई लोगों की जान बच गई है, ऐसा पुलिस का दावा है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सहजपाल सिंह और विक्रमजीत सिंह के रूप में हुई है। दोनों अमृतसर ग्रामीण के रामदास के निवासी हैं।

विदेश में फंसे 4,200 से ज्यादा भारतीयों को सुरक्षित लाया गया वापस

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य पूर्व में तनाव और अस्थिरता के बीच भारत सरकार ने एक बार फिर अपनी सूझबूझ और तेजी से लिए गए फैसलों की मिसाल पेश की है। ऑपरेशन सिंधु के नाम से शुरू किए गए इस विशेष अभियान में भारत ने ईरान और इजराइल जैसे संघर्षग्रस्त इलाकों से 4,244 से अधिक भारतीयों को सुरक्षित वापस अपने देश लाने में सफलता प्राप्त की है। 18 जून को शुरू हुआ यह ऑपरेशन उस समय शुरू किया गया जब मध्य

पूर्व में स्थिति तेजी से बिगड़ रही थी। भारत सरकार को अंदेशा था कि हालात और खराब हो सकते हैं, इसलिए उसने समय रहते कार्रवाई की। विदेश मंत्रालय ने तुरंत एक बहु-देशीय एयरलिफ्ट योजना पर काम शुरू किया और एक सटीक रणनीति के तहत भारतीयों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की। ईरान में करीब 10,000 भारतीय नागरिक मौजूद हैं, जिनमें से 3,426 लोगों को सफलतापूर्वक निकाला गया। इसके लिए भारत ने मशहद (ईरान), येरेवन (आर्मेनिया) और अश्गाबात (तुर्कमेनिस्तान) से कुल 14 विशेष उड़ानों की व्यवस्था की। इन उड़ानों के ज़रिए न केवल भारतीय नागरिकों को लाया गया बल्कि 11 ह्रष्टढ्ढ कार्डधारक, 9 नेपाली नागरिक, कई श्रीलंकाई नागरिक, और एक ईरानी नागरिक जो एक भारतीय से विवाहित है, को भी सुरक्षित निकाला गया।

दिशोम गुरू शिबू सोरेन की हालत चिंताजनक!

रांची (एजेंसी)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्य निर्माण आंदोलन के अग्रणी नेता शिबू सोरेन कुछ दिनों से दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में भर्ती है। उनके साथ सीएम हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन भी मौजूद हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक शिबू सोरेन की तबीयत में न कोई सुधार है और न ही कोई इंप्रूवमेंट है। डॉक्टरों के मुताबिक उन्हें ब्रेन स्ट्रोक हुआ है, जिससे उनके

शरीर के बाईं ओर पैरालिसिस हो गया है। वह पिछले 4 दिनों से वेंटिलेटर पर हैं। पिता की तबीयत को लेकर हेमंत सोरेन दिल्ली में ही है। वह राजधानी रांची के ऐतिहासिक रथ यात्रा में शामिल भी नहीं हुए।

गुजरात हाई कोर्ट से आसाराम को मिली राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार, 27 जून को 2013 के रेप केस में दोषी और उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम को गुजरात हाई कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। अदालत ने उसकी अस्थायी जमानत को 7 जुलाई 2025 तक के लिए बढ़ा दिया है। यह फैसला जस्टिस इलेश जे. वोरा और जस्टिस संदीप एन. भट्ट की खंडपीठ ने दिया। अदालत ने यह बढ़ोतरी आसाराम के वकील की ओर से याचिका में दस्तावेज दाखिल करने के लिए मांगे गए अतिरिक्त समय के आधार पर की। हाई कोर्ट ने इससे पहले 28 मार्च 2025 को आसाराम को तीन महीने की अस्थायी जमानत दी थी। यह जमानत उसकी स्वास्थ्य

स्थिति को ध्यान में रखते हुए दी गई थी। उस समय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई अंतरिम जमानत 30 जून को समाप्त हो रही थी।

अब जबकि 30 जून को यह अवधि खत्म हो रही थी, अदालत ने इसे 7 जुलाई तक बढ़ाने का निर्णय लिया। आसाराम के वकील ने अदालत से कुछ और दिन का समय मांगा ताकि वह याचिका में जरूरी दस्तावेज अदालत के रिकॉर्ड पर पेश कर सके। उन्होंने बताया कि 28 मार्च को कोर्ट द्वारा जमानत दिए जाने के बाद जोधपुर जेल से रिहाई में करीब 10 दिन लग गए, और आसाराम को 7 अप्रैल को रिहा किया गया। इसलिए उन्होंने अदालत से दो दिन की अतिरिक्त मोहलत मांगी ताकि दस्तावेजों को समय पर दाखिल किया जा सके और प्रतिवादी पक्ष उन्हें जांच सके। अदालत ने अपने आदेश में कहा, मौजूदा मामले के विशेष तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, खासकर नालसा से प्रमाण पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया के चलते, हम अस्थायी जमानत की अवधि 7 जुलाई तक बढ़ा रहे हैं।% अब इस मामले में अगली सुनवाई 2 जुलाई 2025 को होनी है।

जज होना 9 से 5 की नौकरी नहीं : सीजेआई

नागपुर (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई का कहना है कि एक जज अकेले काम नहीं कर सकता है। जज होना नौ से पांच की नौकरी नहीं है। यह राष्ट्र की सेवा है, लेकिन यह एक कठिन काम भी है। सीजेआई गवई छत्रपति संभाजी नगर में बॉम्बे हाई कोर्ट, औरंगाबाद बेंच की एडवोकेट यूनियन की तरफ से रखे गए अभिनंदन समारोह में बोल रहे थे। सीजेआई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को सभी जजों के सर्वोच्च न्यायालय के रूप में काम करना चाहिए, न कि केवल भारत के मुख्य न्यायाधीश के, इसलिए सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए जाने चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने गुरुवार को कहा कि वे महाराष्ट्र के कोल्हापुर में बॉम्बे हाई कोर्ट की बेंच स्थापित करने की मांग का समर्थन करते हैं। न्याय हर नागरिक को हर कोने में उपलब्ध होना चाहिए।

बॉम्बे हाई कोर्ट में वर्तमान में मुंबई की मेन बेंच के अलावा गोवा, औरंगाबाद (छत्रपति संभाजीनगर) और नागपुर में सर्किट बेंच हैं। जस्टिस गवई बोले- एक जज को समाज में घुलना-मिलना चाहिए। इससे समाज की समस्याओं व प्रश्नों को समझा जा सकता है और न्याय के माध्यम से उनका समाधान किया जा सकता है। सीजेआई ने कहा- जब भी हाईकोर्ट की कोल्हापुर बेंच की मांग की गई है, मैंने समर्थन किया। औरंगाबाद बेंच का उदाहरण दिया है। औरंगाबाद बेंच में बॉम्बे बेंच की तुलना में ज्यादा मामले दायर किए जाते हैं। हर सुनवाई के लिए हर किसी के लिए बॉम्बे (मुंबई) आना आर्थिक रूप से संभव नहीं है। हर नागरिक को हर कोने में बिना ज्यादा समय और पैसा खर्च किए न्याय मिलना चाहिए। जस्टिस गवई ने यह भी कहा कि केवल कानून की चौखट में रहकर न्याय देना संभव नहीं होता, सामाजिक पहलुओं का भी ध्यान रखना होता है। इसी कारण हम कॉलेजियम के जरिए योग्यता के आधार पर जजों की नियुक्ति पर जोर दे रहे हैं। उम्मीदवार की जाति, धर्म या सामाजिक पृष्ठभूमि चयन के मानदंड नहीं हो सकते।

इस प्रतियोगिता में आपस में भिड़ेंगे नीरज और अरशद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा इन दिनों बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर का आंकड़ा पारी करने के बाद पेरिस डायमंड लीग में जीत दर्ज की। साथ ही ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक इवेंट भी अपने नाम किया। हालांकि, पेरिस और ओस्ट्रावा में वह 90 मीटर की दूरी तय नहीं कर पाए लेकिन उनके आत्मविश्वास को जरूर बल मिला होगा। अब वह नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता में खेलते हुए दिखेंगे। हालांकि, इस टूर्नामेंट में भी पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम हिस्सा नहीं लेंगे। लेकिन अब खुद नदीम ने खुलासा करते हुए कहा कि वह अगली बार किसी प्रतियोगिता में खेलते दिख सकते हैं। नीरज दोहा में और फिर ओरलेन जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता में जूलियन वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। वहीं पेरिस और ओस्ट्रावा में पहला स्थान हासिल किया। हालांकि, इन चारों टूर्नामेंट पाकिस्तान के अरशद नदीम नदारद थे। नदीम ने इस सत्र में ज्यादा प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं लिया है वह इसके प्रति काफी चयनात्कम रहे हैं। वह फिलहाल पाकिस्तान में ट्रेनिंग में ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने पिछले एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप मं जरूर भाग लिया था जिसमें नीरज नहीं खेले थे। नदीम ने वहां 86.40 मीटर थ्रो के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया था।

अविनाश साबले जमकर कर रहे तैयारी, वर्ल्ड चैंपियनशिप में जीतना चाहते हैं मेडल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के शीर्ष 3000 मीटर स्टीपलचेज़र अविनाश साबले अब पूरी तरह से फिट हैं और उनकी निगाहें सितंबर में होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप सहित आगामी प्रतियोगिताओं में अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को बेहतर करने पर टिकी हैं। एशियाई खेलों के चैंपियन साबले इस सत्र में ऊटी में अभ्यास कर रहे हैं और भारतीय खेल प्राधिकरण के दक्षिणी केंद्र में अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म हासिल करने में जुटे हैं। साबले ने कहा कि, पिछला साल अच्छा नहीं रहा, ऐसा भी नहीं लग रहा था कि मैं अच्छा प्रदर्शन कर पाऊंगा। लेकिन इस साल मैं डायमंड लीग में भाग ले रहा हूं। इसलिए तैयारी अच्छी है। मेरा लक्ष्य अपना सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत समय हासिल करना है, जो आठ मिनट के करीब है। अभी अभ्यास के 15 दिन बचे हुए हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि मैं आठ मिनट के करीब पहुंचने में सफल रहूंगा। ये 30 वर्षीय खिलाड़ी 2023 में एशियाई खेलों के बाद पिंडली की चोट से जूझ रहा था। उन्होंने 2025 के अपने सत्र की शुरुआत जियामेन डायमंड लीग में आठ मिनट 22.59 सेकंड के समय के साथ की और इसके बाद शाओक्सिंग में 8ः23.85 सेकंड का समय निकाला। साबले ने मई में साउथ कोरिया के गुमी में एशियाई चैंपियनशिप में 8ः20.92 सेकंड का समय निकालकर गोल्ड मेडल जीता था। साबले ने कहा कि, तैयारियां अच्छी चल रही हैं। मैं सत्र की शुरुआत में चोटिल हो गया था। लेकिन इसके बावजूद मैंने चीन में दो डायमंड लीग स्पर्धाओं में हिस्सा लिया। मैंने अपना आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए एशियाई चैंपियनशिप में हिस्सा लिया। ये भारतीय खिलाड़ी पिछली वर्ल्ड चैंपियनशिप में फाइनल तक पहुंचने में असफल रहा था और अपनी हीट में सातवें स्थान पर रहा था। लेकिन इस बार वह बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इस खिलाड़ी के खिलाफ अभियान का आगाज करेंगे नोवाक जोकोविच

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2025 विंबलडन चैंपियनशिप के लिए ड्रॉ हो गया, और जानिक सिनर की पहली बार खिताब जीतने की चाहत सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच के साथ हैवीवेट सेमीफाइनल मुकाबले में निर्भर कर सकती है। बता दें कि, इन दोनों को एक ही ड्रा किया गया है। एटीपी रैंकिंग में नंबर-1 खिलाड़ी, सिनर शुक्रवार की सुबह ड्रा के बाद ग्रास कोर्ट मेजर में अपने हमवतन लुका नारदी के खिलाफ शुरुआत करेंगे। 2018 के बाद से अपनी कम वरीयता पर प्रतिस्पर्धा कर रहे जोकोविच, फ्रांसीसी एलेक्जेंडर मुलर के लिए रिकॉर्ड की बराबरी करने वाले 8वें विंबलडन खिताब के लिए अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। नोवाक जोकोविच, एक सर्बियाई टेनिस खिलाड़ी, विंबलडन के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्होंने 7 बार ये खिताब जीता है। वहीं जानिक सिनर एक युवा इतालवी खिलाड़ी हैं, जिन्होंने हाल के वर्षों में शानदार प्रदर्शन किया है और विंबलडन में एक संभावित खतरा माना जा रहा है। इस साल जोकोविच और सिनर दोनों को एक ही ब्रैकेट में रखा गया है जिसका मतलब है कि वे सेमीफाइनल में एक-दूसरे से खेल सकते हैं। ये एक रोमांचक मुकाबला होने की उम्मीद है क्योंकि दोनों खिलाड़ी उच्च स्तर का टेनिस खेलने के लिए जाने जाते हैं।

जोकोविच को ब्रिटिश नंबर 1 जैक ड्रेपर के साथ क्वार्टर फाइनल मुकाबले के लिए वरीयता दी गई है जो अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बाएज के खिलाफ शुरुआत करेंगे।

रवि शास्त्री ने की आईसीसी से ये मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर और मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि भारत को आईसीसी के कुल राजस्व में और भी बड़ा हिस्सा मिलना चाहिए। इसके पीछे का कारण ये हैकि आईसीसी के खजाने में भारत का योगदान सबसे ज्यादा है।

2024-27 चक्र के मॉडल के अनुसार भारत वर्तमान में आईसीसी के कुल राजस्व का 38.5 प्रतिशत कमाता है, जो इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों से काफी ज्यादा है। बावजूद रवि शास्त्री इसमें और बढ़ोतरी चाहते हैं। दरअसल, शास्त्री का मानना है कि जब भारत कभी विदेश में जाकर खेलता है तो टीवी राइट्स और कमाई में कई गुना इजाफा होता है। इसलिए ऐसा कहना बिल्कुल जायज होगा कि उन्हें उनके हिस्से का बड़ा भाग मिले।

विज्डन क्रिकेट से बातचीत के दौरान शास्त्री ने कहा कि, भारत को आईसीसी के कुल राजस्व का और बड़ा हिस्सा

मिलना चाहिए। जब भारत कभी विदेश में जाकर खेलता है तो टीवी राइट्स और कमाई में कई गुना इजाफा होता है। टीवी से जो रही कमाई के आंकड़े खुद ये साबित करते हैं। इसलिए ऐसा कहना बिल्कुल जायज होगा कि उन्हें उनके हिस्से का बड़ा भाग मिले।

उन्होंने कहा कि, जो भी पैसा आता है उसका अधिकांश हिस्सा भारत से आता है। ये सब इकोनॉमी पर निर्भर करता है। अगर कल को कोई और देश की इकोनॉमी भारत से मजबूत हो जाए तो पैसा वहां से आएगा। जैसे 70 और 80 के दशक में हुआ करताथा। उस समय कमाई का बड़ा हिस्सा किसी और देश को जाता था। इसलिए भारत के लिए और बड़ा हिस्सा मांगना सही है।

बता दें कि, आईसीसी के राजस्व मॉडल के मुताबिक, 88 प्रतिशत से ज्यादा राजस्व 12 पूर्ण सदस्य जो देश खेलने वाले देश हैं उनके बीच बांटा जाता है। इसमें से 48.2 प्रतिशत का अहम हिस्सा खेल के तीन शक्तिशाली देशों, भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच बांटा जाता है। भारत एकमात्र ऐसा देश है जिसे अपने हिस्से का प्रतिशत दोहरे अंकों यानी 38.5 प्रतिशत में प्राप्त होता है।

रोहित शर्मा ने किया बड़ा खुलासा, टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के साथ मैच से पहले मिली थी धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले साल न्यूयॉर्क में टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला कौन भूल सकता है। टीम इंडिया पहले बल्लेबाजी करते हुए 119 रन पर सिमट गई थी। लेकिन फिर टूटा जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या का कहर। कसी गेंदबाजी की बदौलत भारत ने कम स्कोर का भी बचाव किया। लेकिन कम ही लोगों को पता है कि उस मैच के दो दिन पहले से भारतीय क्रिकेट टीम एक तरह से होटल में कैद थी। उन्हें बाहर जाने की इजाजत नहीं थी। सीधे मैच के लिए ही होटल से बाहर निकले थे। ये खुलासा किया है तत्कालीन कप्तान रोहित शर्मा ने। रोहित ने स्टार स्पोर्ट्स के साथ बातचीत में खुलासा किया है कि, भारत और पाकिस्तान मैच से पहले हमें कहा गया कि खतरा है कुछ चल रहा है। इसलिए मैच के दो दिन पहले से हमें होटल से बाहर निकलने की इजाजत नहीं थी। माहौल वहां से बनना शुरू हो गया था। हम खाना ऑर्डर कर रहे थे और होटल इतना पैक था किआप बामुश्किल चल सकते थे। फैन, मीडिया वहां सब थे। उस समय आपको अहसास होता है कि ये कोई साधारण सा मैच नहीं है कुछ खास होने वाला है। मैच शुरू होने से पहले ही स्टेडियम में जैसे जश्न का माहौल था। उस माहौल और रोमांच के अनुभव के बारे में रोहित ने बताया कि, हम स्टेडियम के नजदीक पहुंचे तो वहां पहले से जश्न जैसा महसूस हो रहा था। भारतीय फैंस, पाकिस्तानी फैंस, हर कोई नाच रहा है और मस्ती में मगन है। मैंने भारत-पाकिस्तान के कई मैच खेला है, कब तो गिनती भी भूल गए लेकिन मैच से पहले की वो ऊर्जा, वो फीलिंग वह कुछ अलग ही था। किसी भी चीज की उससे तुलना नहीं हो सकती।

भारत की उड़न परी पीटी उषा मना रही 61वां जन्मदिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीटी उषा अपना 61वां जन्मदिन मना रही हैं। महिला वर्ग में पीटी उषा का नाम बड़े ही अदब के साथ लिया जाता है। पीटी उषा ने 80 और 90 के दशक में पीटी उषा ने अपने शानदार खेल से देश का नाम रोशन किया था। हालांकि उन्होंने बचपन में गरीबी और संघर्ष का सामना किया था। लेकिन इसके बाद भी वह सभी समस्याओं को पार करते हुए एक महान धावक बनीं और अपने देश का नाम रोशन किया था। तो आइए जानते हैं उनके बर्थडे के मौके पर पीटी उषा के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... भारत के ट्रैक एंड फील्ड के इतिहास में महिला वर्ग में पीटी उषा का नाम बड़े ही अदब के साथ लिया जाता है। उनकी तेज रफ्तार की वजह से उन्हें %पय्योली एक्सप्रेस% भी कहा जाता था। 80 और 90 के दशक में अपने शानदार खेल से उन्होंने देश का नाम खूब रोशन किया।

केरल के कोझिकोड स्थित पय्योली गांव में 27 जून 1964 को जन्मी पीटी उषा आज अपना 58वां जन्मदिन मना रही हैं। परिवार की गरीबी की वजह से एथलीट बनने में उनके सामने अनेक कठिनाइयां आईं लेकिन इन सब मुश्किलों से पार पाते हुए वह एक महान धावक बनीं और देश का नाम रोशन किया।

डीसी के कोच ने केएल राहुल की जमकर की तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच हेमंग बदानी केएल राहुल पर फिदा हो गए हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में इसका खुलासा करते हुए स्टार बल्लेबाज की जमकर तारीफ की और आईपीएल के दौरान इंग्लैंड दौरे को लेकर राहुल ने उनसे क्या कहा ये भी उन्होंने बताया। बता दें कि, केएल राहुल मार्च में पिता बने। 24 मार्च उनकी पत्नी अथिया शेट्टी ने बेटी को जन्म दिया। मई में रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया। आर अश्विन पहले ही क्रिकेट को अलविदा कह चुके थे। सामने भारत का अहम दौरा था, इंग्लैंड दौरा। 5 टेस्ट मैच की सीरीज। दिग्गजों की गैरमौजूदगी में केएल राहुल टीम के सबसे सीनियर खिलाड़ियों में से एक हो गए। जिम्मेदारी बढ़ गई। अपेक्षाएं बढ़ गईं। उन्होंने निराश भी नहीं किया। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक जड़ा। अहम मौकों पर युवा कप्तान शुभमन गिल का मार्गदर्शन किया। सीनियर होने का अपना फर्ज भी निभाया।

लेकिन क्या ये सब कुछ इतना आसान था। कोई खिलाड़ी अगर पिता बना है तो नन्हें कदमों को चूमना चाहता है। अपनी पत्नी के साथ ऐसे समय में उस पल को जीना चाहता है समय बिताना चाहता है। लेकिन केएल राहुल ने जो फैसला किया उस पर हेमंग बदानी को नाज है।

बदानी ने टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए इंटरव्यू में कहा कि, मुझे ये बहुत पसंद आया कि वह ऐसा शख्स है जिसने कहा कि, मैं इंग्लैंड जल्दी जाना चाहता हूं। मैं वहां साइड गेम खेलना चाहता हूं। उसने शतक जड़ा, वो भूल जाइए, वह तो बाद में आया। इरादा क्या है, ये मायने रखता है। वहां जल्दी पहुंचने, पूरी तरह तैयार होने, टीम के साथ होने का इरादा।

ये मत भूलिए कि वह नया-नया पिता बना है और ये मत सोचिए कि अभी उसका बच्चा उसके साथ सफर कर सकता है। इसलिए उसके लिए कहा कि, देश मेरे बच्चे से ऊपर है। बहुत बड़ी बात है। बहुत बड़ा फैसला है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में दिए गए फैसलों पर भड़के डैरेन सैमी, अंपायर पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में थर्ड अंपायर के फैसलों को लेकर चर्चा हो रही है। पहले मुकाबले में दो दिन के खेल में लगातार विवादित फैसलों को बहस में बदल दिया है। वेस्टइंडीज के हेड कोच डैरेन सैमी ने थर्ड अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि अंपायर के ऐसे फैसले खेल को नुकसान पहुंचा रहे हैं और शक की गुंजाइश पैदा कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के दौरान, जब ट्रेविस हेड के बल्ले से शमार जोसेफ की गेंद पर हल्का अंदरूनी किनारा लगा और विकेटकीपर शाई होप ने कैच लपका तो मामला थर्ड अंपायर के पास गया। अल्ट्रा एज मेंबल्ले से गेंद को टकराते हुए साफ देखा

गया और होप ने सॉफ्ट कैच भी पकड़ा लेकिन थर्ड अंपायर ने पर्याप्त सबूत नहीं बताते हुए हेड को नॉटआउट करार दे दिया। इसके बाद दूसरे दिन की शुरुआत में रोस्टन चेज को जॉश हेजलवुड की गेंद पर अपील के बाद नॉटआउट दिया गया था। डीआरएस में थर्ड अंपायर ने माना कि गेंद पहले बैट से लगी थी, इसलिए उन्हें नॉटआउट करार दिया गया, लेकिन उसके बाद 50वें ओवर में चेज फिर पैट कमिंस की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट दे दिए गए। इस बार डीआरएस में अल्ट्रा एज पर स्पाइक्स थे, यानी बल्ले से गेंद छूती दिख रही थी फिर भी थर्ड अंपायर ने कहा कि बल्ले और गेंद के बीच गैप था और चेज को आउट करार दिया गया। इस फैसले पर कमेंटेटर इयान बिशप ने ऑन-एयर कहा कि, मैं इस फैसले से सहमत नहीं हूं क्योंकि गेंद पहले बैट से लगी है। वहीं इन सभी फैसलों के बाद वेस्टइंडीज के कोच डैरेन सैमी ने दिन का खेल खत्म होने के बाद साफ शब्दों में कहा कि, आप नहीं चाहते कि मैच के दौरान फैसला अंपायरों के पास जाए, लेकिन जब एक के बाद एक ऐसे फैसले होते हैं, तो सवाल खड़े होना जरूरी हो जाता है। उन्होंने ये जोड़ा कि इन गलतियों का असर सिर्फ स्कोरबोर्ड पर नहीं, बल्कि मैच की हार-जीत पर भी पड़ता है।

भारतीय गेंदबाजों पर भड़के मोहमद शमी, कहा- जसप्रीत बुमराह से सीखो

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट मैच में भारतीय तेज गेंदबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। वहीं भारतीय तेज गेंदबाजों के प्रदर्शन से टीम इंडिया के सीनियर खिलाड़ी मोहम्मद शमी भी नाखुश नजर आए। पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने जीत के लिए 371 रन का पीछा आसानी से कर लिया और भारत को 5 विकेट से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। भारतीय गेंदबाजों ने दोनों पारियों में 4.5 रन प्रति ओवर की दर से रन दिए हालांकि, जसप्रीत बुमराह काफी प्रभावी नजर आए।

5 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच के बारे में बात करते हुए शमी ने सुझाव दिया कि टीम इंडिया के अन्य गेंदबाजों को बुमराह से सीखना चाहिए और मैच के दौरान उनका पूरा समर्थन

करना चाहिए। बुमराह ने पहले टेस्ट की पहली पारी में 5 विकेट लिए थे, लेकिन दूसरी पारी में उन्हें विकेट नहीं मिला क्योंकि इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने किसी भी तरह का जोखिम नहीं उठाने का फैसला किया था। शमी ने अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा कि भारतीय टीम के अन्य गेंदबाजों को बुमराहा से बात करनी चाहिए और उनसे सीखना चाहिए। उन्हें उनके साथ योजना बनाने और उनका समर्थन करने के बारे में बात करनी चाहिए। अगर अन्य गेंदबाज बुमराह का समर्थन करेंगे तो हम आसानी से मैच जीत जाएंगे। अगर मैं पहले मैच की बात करूं तो मुझे लगता है कि हमें गेंदबाजी में थोड़ा काम करने की जरूरत है। शमी ने बताया कि कैसे शार्दुल ठाकुर और प्रसिद्ध कृष्णा के विकेटों का खेल पर कोई असर नहीं पड़ा क्योंकि इंग्लैंड पहले से ही ड्राइवर कीसीट पर था। शमी ने नई गेंद से विकेट लेने के महत्व पर भी जोर दिया। शमी ने कहा कि शार्दुल ठाकुर और प्रसिद्ध कृष्णा ने दूसरी पारी में दो-दो विकेट झटके, लेकिन तब तक मैच भारत की पहुंच से बाहर हो चुका था। नई गेंद से विकेट लेना बहुत अहम है और उन्हें बुमराह का साथ देना चाहिए। इंग्लैंड ने पहला टेस्ट इसलिए जीता क्योंकि हमने बहुत सारे आसान रन दिए। हमें ये पता लगाने की जरूरत है कि अपनी गेंदबाजी को कैसे मजबूत बनाया जाए।

उप मुख्यमंत्री ने मानस भवन में आयोजित रथयात्रा समारोह में भगवान जगन्नाथ स्वामी का पूजा-अर्चन की

'सनातन परंपरा और धार्मिक उत्सवों से ही भावी पीढ़ी होगी सुखी'

विन्ध्य में धार्मिक उत्सवों की अनूठी परंपरा का भाग है रथयात्रा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मानस भवन में आयोजित रथयात्रा समारोह में भगवान जगन्नाथ स्वामी का दर्शन तथा पूजा-अर्चन किया। उप मुख्यमंत्री ने भगवान की आरती करके विन्ध्य और मध्यप्रदेश के निवासियों के कल्याण की कामना की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश में सनातन परंपरा और धार्मिक उत्सव संस्कृति का आधार हैं। इन्हीं से भावी पीढ़ी सुखी होगी। विन्ध्य में वर्ष भर विभिन्न धार्मिक उत्सवों की अनूठी परंपरा है। इनमें हर वर्ग के व्यक्ति उत्साह के साथ भाग लेते हैं।

भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा भी इसी परंपरा का महत्वपूर्ण भाग है। भगवान जगन्नाथ स्वामी के स्वागत में उमड़ा जनसैलाब श्रद्धा का प्रतीक है।

समारोह में उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने जगतगुरू राघवाचार्य जी से आशीर्वाद प्राप्त कर कथा का श्रवण किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विन्ध्य में जगतगुरू के चरण पड़े हैं। यह हम सबके लिए शुभ फलदायी है। आपकी रामकथा को यहाँ के लोग सदैव याद करते हैं। आपके कर कमलों से हिनौती गौधाम में गौशाला निर्माण का आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। रीवा में बसामन मामा गौ अभ्यारण्य में सात हजार गायों तथा लक्ष्मणबाग गौशाला में एक हजार गौ माताओं की सेवा की जा रही है। हिनौती गौधाम में 25 हजार गौमाता की सेवा होगी इससे निराश्रित गौमाता को आश्रय मिलने के साथ खेती की भी रक्षा होगी। कार्यक्रम में 21 वर्षीय आदर्श कुमार पाण्डेय ने जटिल योगासन का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय, पूर्व महापौर वीरेन्द्र गुप्ता तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

सतना में इनकम टैक्स ऑफिसर के घर चोरी

6 चोर जेवरात-नकदी ले गए; अधिकारी पर पत्थर से हमला किया, कार का ग्लास तोड़ा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित ग्रीन पार्क कॉलोनी में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात एक बड़ी चोरी की वारदात हुई। छह बदमाश इनकम टैक्स अधिकारी महेंद्र गुप्ता के घर में घुसे और जेवरात व नकदी चोरी कर ले गए। वारदात के समय घर में उनका 15 वर्षीय बेटा सो रहा था। महेंद्र गुप्ता अपनी पत्नी अल्पना के साथ रात करीब 2.05 बजे बेटी को लेने रेलवे स्टेशन गए थे। 3.15 बजे जब वे लौटे तो घर के पास छह बदमाश भागते हुए दिखे। उसी वक्त अचानक बिजली चली गई। शोर मचाने पर बदमाशों ने उन पर पत्थर से हमला कर दिया, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई। बदमाशों ने उनकी कार पर भी पथराव किया और शीशा तोड़ दिया।

महेंद्र गुप्ता वर्तमान में जबलपुर में पदस्थ हैं। वे 7 जून को ही इनकम टैक्स कॉलोनी से ग्रीन पार्क कॉलोनी में शिफ्ट हुए थे। चोरी गए सामान का आंकलन किया जा रहा है। एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें कुछ बदमाश घर में घुसते और बाहर आते दिखे हैं। बारिश के कारण बिजली गुल होने से फुटेज पूरी तरह स्पष्ट नहीं मिल सका है। टीआई योगेन्द्र सिंह ने बताया कि कॉलोनी में लगे अन्य कैमरों के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। साथ ही गार्डों से भी पूछताछ की जा रही है।

इस वारदात से पहले कॉलोनी में ही रहने वाले बालकृष्ण शर्मा और उनके किरायेदार बब्बन मल्होत्रा की बाइक भी चोरी हो गई थी। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि बदमाश कॉलोनी के दो एंट्री गेट में से किस रास्ते से अंदर घुसे और बाहर निकले।

रीवा में 26 व 27 जुलाई को होगा रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव

वाराणसी में म.प्र. टूरिज्म बोर्ड के रोड शो का सफलतापूर्वक समापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बनारस में होटल डबल ट्री बाय हिल्टन में आयोजित रोड शो का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में अधोसंरचना विकास, संस्कृति का संरक्षण और पर्यटन क्षेत्र में निजी सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि रीवा, उत्तर प्रदेश का गेटवे है। उत्तर प्रदेश से कनेक्टिवटी सुगम है। मध्य प्रदेश सभी आगंतुकों, पर्यटकों के आतिथ्य सत्कार के लिए तैयार है। रीवा में 26 एवं 27 जुलाई को मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। आप सभी इसमें आमंत्रित हैं। पर्यटन रोड शो में पर्यटन व्यवसायियों, टूर ऑपरेटर्स, ट्रेवल एजेंट्स और होटल व्यवसाय से जुड़े हितधारक शामिल हुए।

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश हमारी संस्कृति, विरासतों और धरोहरों को संजोकर पर्यटकों को सुखद और अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करें। बाबा महाकाल और बाबा काशी विश्वनाथ दुनियाभर के श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। पर्यटकों को एक समृद्ध और विविध अनुभव मिलेगा साथ ही धार्मिक, सांस्कृतिक, स्वास्थ्य और विरासत पर्यटन को आकर्षित करने में सहयोग प्राप्त होगा।

मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के पर्यटन व्यवसायियों, टूर ऑपरेटर्स, ट्रेवल एजेंट्स और होटल व्यवसाय से जुड़े हितधारकों के बीच सहयोग और साझेदारी को बढ़ावे के उद्देश्य से मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा पर्यटन रोड शो का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रतिष्ठित संत सतुआ महाराज, वाराणसी कैंट एरिया के विधायक सौरभ वास्तव विशेष रूप से उपस्थित रहे।

आरसीसी सड़क निर्माण के दौरान हुआ विवाद

महिला सरपंच और उनके पति से मारपीट, खेत में घसीटने का वीडियो सामने आया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के गंगेव जनपद की ग्राम पंचायत मढ़ी खुर्द में महिला सरपंच राजकुमारी साहू और उनके पति अनिल साहू के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की गई। विवाद शनिवार को गांव में बन रही आरसीसी सड़क को लेकर हुआ। मारपीट में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए संजय गांधी अस्पताल, रीवा रेफर किया गया है।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें आरोपी महिला सरपंच को खेत के कीचड़ में घसीटते नजर आते हैं। बताया जा रहा है कि सरपंच पति द्वारा सड़क को नुकसान पहुंचा रहे लोगों को रोकने पर विवाद हुआ, जिसके बाद यह घटना घटी।

परिवार के लोगों ने की मारपीट

जानकारी के अनुसार, हमला करने वाले सरपंच परिवार के ही सदस्य बताए जा रहे हैं। घटना के वक्त सरपंच पति अनिल साहू ने आरोपियों को सड़क को खराब करने से रोका। इस पर कहासुनी हुई और मारपीट शुरू हो गई। बीच-बचाव में आई महिला सरपंच को भी नहीं बख्शा गया।

एडिशनल एसपी बोले- वीडियो के आधार पर होगी कार्रवाई

घायलों का इलाज रीवा के संजय गांधी अस्पताल में जारी है। पुलिस ने अभी तक आरोपियों के नाम उजागर नहीं किए हैं। मामले में जांच जारी है। एडिशनल एसपी विवेक लाल ने बताया, मारपीट की घटना का एक वीडियो सामने आया है। घायल को अस्पताल भिजवाया गया है। जांच कर रहे हैं। मामले में वैधानिक कार्रवाई करेंगे। आरोपियों की पहचान की जा रही है।

पेट्रोल पंपों में की जा रही पेट्रोल और डीजल की गुणवत्ता की जाँच

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के पेट्रोल पंपों में डीजल और पेट्रोल की गुणवत्ता की जाँच की जा रही है। कलेक्टर प्रतिभा पाल के निर्देश पर खाद्य विभाग, नापतौल विभाग तथा पेट्रोलियम कंपनी के प्रतिनिधियों की टीम द्वारा पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया जा रहा है। इस संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी कमलेश तांडेकर ने बताया कि जाँच दल ने गर्ग फिलिंग स्टेशन गड़रिया रीवा तथा शिव फिलिंग स्टेशन लोही की जाँच की। दोनों पेट्रोल पंपों में डीजल और पेट्रोल के नमूने लेकर उनमें पानी सहित किसी भी अन्य पदार्थ की

मिलावट तथा डेंसिटी की जाँच परखनली टेस्ट से की गई। पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देश देते हुए कहा गया कि डीजल और पेट्रोल के टैंकों की नियमित जाँच करें। इनके ढक्कन ठीक से बंद करके रखें। इनमें यदि पानी की मात्रा प्राप्त होती है तो इनका वितरण तत्काल बंद करें। डिपो से डीजल और पेट्रोल लेकर आने वाले टैंकरों में पहले डीजल-पेट्रोल की गुणवत्ता की जाँच करें। उसके बाद ही इन्हें अनलोड कराएं। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि पेट्रोल पंपों में डीजल पेट्रोल की गुणवत्ता तथा पानी की मात्रा की लगातार जाँच जारी रहेगी। जाँच दल में सहायक आपूर्ति अधिकारी सुभाष द्विवेदी, मापतौल अधिकारी सत्यनारायण तिवारी तथा पेट्रोलियम कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम के प्रतिनिधि ऋषभ गुप्ता शामिल रहे।

मंदाकिनी नदी का पानी दुकानों में भरा, आरती वाली जगह पर भी जलभराव

पेड़ गिरने से सड़क बंद, बिजली तार टूटे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के चित्रकूट अंचल में हो रही लगातार बारिश से मंदाकिनी नदी में बाढ़ आ गई है। रामघाट की लगभग एक सैकड़ा दुकानों के अंदर पानी घुस चुका है। तुलसीदास घाट व मंदाकिनी आरती स्थल में भी जल भराव हो गया है। घाट किनारे की दुकानदार अपना सामान निकाल कर बाहर जा रहे हैं।

लगातार जलस्तर बढ़ रहा है और लोग घाट किनारे सामग्री हटा रहे है। पुलिस ने भी बैरिकेड करके वाहनों का रामघाट जाने से प्रवेश रोक दिया गया है। नदी के घाट के आसपास एसडीआरएफ की टीम तैनात कर दी गई है।

इधर सतना में शुक्रवार रात हुई तेज बारिश के कारण शहर और गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। जिला मुख्यालय के कई इलाकों में नालियों का गंदा पानी लोगों के घरों में घुस गया है। भरहुत नगर में एक पेड़ गिरने से सड़क बंद हो गई और बिजली की तारें टूट गईं।

शेरगंज के श्रीधाम आश्रम इलाके में पानी की निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है, जिससे लोगों के घरों में गंदा पानी भर गया। इसका असर घरेलू सामान पर पड़ा, जो पानी से खराब हो गया है। रैगांव इलाके के भुमकहर, कुड़िया और अहिरवार समेत कई गांवों की स्थिति गंभीर है। रास्ते बंद हो गए हैं और नदियां-नाले उफान पर हैं।

सड़कों और पुलियों पर पानी बहने से लोगों को गांव से बाहर निकलने में परेशानी हो रही है। कुछ लोग मजबूरी में तेज बहाव वाले रपटों को पार कर रहे हैं। कुछ लोग तेज बहाव में बाइक से निकलने का प्रयास कर रहे हैं।

मझगवां तहसील और उसके आसपास के गांवों में सड़कें नदी में तब्दील हो गई हैं। जल निकासी की सही व्यवस्था न होने से घरों में पानी घुस गया है। सिर्फ आधे घंटे की बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। देवलहा के अहिरान टोला में सड़कों पर भी पानी का तेज बहाव देखा गया।

उप मुख्यमंत्री ने गुढ़ में पूर्व विधायक की स्मृति में किया वृक्षारोपण

'मानव के लिए भोजन और सोने के समान ही पर्यटन आवश्यक है'

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने गुढ़ पहुंचकर भैरवनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद उप मुख्यमंत्री ने वन विभाग की ग्राम वन समिति द्वारा पूर्व विधायक स्वर्गीय शिवनाथ पटेल की स्मृति में पौधे रोपित किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा के साथ-साथ पूरे विन्ध्य में पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है। भैरवनाथ मंदिर के विकास के लिए वरिष्ठ नेता और विधायक गुढ़ नागेन्द्र सिंह जी के प्रयास फलीभूत हो रहे हैं। भैरवनाथ मंदिर धार्मिक पर्यटन का प्रमुख केन्द्र बनेगा। हाल ही में मध्यप्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लखनऊ और बनारस में कार्यक्रम आयोजित किए गए। उनमें मैंने रीवा के जलप्रपातों, विन्ध्य के धार्मिक स्थलों, मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी, संजय टाइगर रिजर्व के साथ-साथ भैरवनाथ मंदिर का भी प्रमुखता से उल्लेख किया। जो व्यक्ति एक बार इस मंदिर में भगवान भैरवनाथ का दर्शन कर लेगा, वह

बार-बार यहाँ आएगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मानव के लिए खाने और सोने के समान ही पर्यटन भी आवश्यक है। पर्यटन से उसे नवीन स्थानों और व्यक्तियों से संपर्क का अवसर मिलने के साथ मन की रोज-रोज की चिंतायें दूर होती हैं। विन्ध्य में पर्यटन की असीम संभावना है। विन्ध्य के समीप बड़ी जनसंख्या वाला राज्य उत्तरप्रदेश है। यहाँ के लोगों को पर्यटन के लिए आकर्षित करने का प्रयास किया जा रहा है। अभी भी बहुती और पुरवा प्रपात देखने के लिए उत्तरप्रदेश से सैकड़ों पर्यटक आते हैं। रीवा में 26 और 27 जुलाई को रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। इसके माध्यम से विन्ध्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किए जाएंगे। विन्ध्य क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन, वन्यजीव तथा प्राकृतिक स्थल एवं ऐतिहासिक स्थलों की भरमार है। अच्छी सड़कों, एयरपोर्ट और रेलमार्ग से विन्ध्य सभी प्रमुख स्थलों से जुड़ गया है। यहाँ पर्यटन का विकास होने से बड़ी संख्या में रोजगार मिलेगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गुढ़ में सोलर प्लांट लगने के बाद इसके सीएसआर की राशि से कष्टहर नाथ शिवमंदिर, भैरवनाथ मंदिर तथा बूढ़ीमाता मंदिर का विकास किया गया है। भैरवनाथ में भव्य मंदिर निर्माण के साथ इसके समीप ही औद्योगिक केन्द्र का विकास किया जा रहा है। वन विभाग ने भैरवनाथ की पहाड़ी को हरा-भरा बनाने के लिए आधुनिक तकनीक से वृक्षारोपण शुरू करके सराहनीय पहल शुरू की है। समारोह में विधायक गुढ़ नागेन्द्र सिंह ने कहा कि वर्षों भगवान भैरवनाथ खुले में रहे। उप मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से भैरवनाथ में भव्य मंदिर का निर्माण पूरा हो गया है। अब भैरवनाथ और कष्टहर नाथ मंदिर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का सपना साकार होगा। गुढ़ का सोलर प्लांट भी दर्शनीय स्थल है। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष माया सिंह स्थानीय जनप्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

मेडिकल कालेजों से जुड़े 875 बंधपत्रधारी पीजी डाक्टर्स के पदस्थापना के आदेश जारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि सरकार का लक्ष्य है कि हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है। प्रदेश में नियमित चिकित्सक भर्ती प्रक्रिया, चिकित्सा महाविद्यालयों की क्षमता वृद्धि तथा स्वास्थ्य संस्थानों के अधोसंरचना विकास के कार्य भी निरंतर प्रगति पर हैं। इसी क्रम में 875 बंधपत्रधारी विशेषज्ञ डॉक्टरों की पदस्थापना की गई है, जिससे चिकित्सकीय संसाधनों को मजबूती मिलेगी। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने पदस्थ सभी चिकित्सकों से अपेक्षा व्यक्त की है कि वे कर्तव्यनिष्ठा, संवेदनशीलता एवं पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, जिससे जनसाधारण को श्रेष्ठ और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो सकें। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा मध्यप्रदेश के शासकीय एवं निजी चिकित्सा महाविद्यालयों से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम पूर्ण कर चुके 875 बंधपत्रधारी चिकित्सकों की पदस्थापना की गई है। यह पदस्थापनाएँ चिकित्सकों द्वारा स्नातकोत्तर प्रवेश के समय प्रस्तुत अनिवार्य सेवा बंधपत्र के अनुक्रम में की गई हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।